केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

# मालवा हेराल्ड

**सुविचार**

कब समझौता करना श्रेष्ठ है, कब संघर्ष अनिवार्य है, कब प्रतीक्षा ही सर्वोत्तम रणनीति है,यह विवेक जिसके पास है,वह जीवन के हर क्षेत्र में सफल होता है!

वर्ष : 17 अंक : 36 | उज्जैन, गुरुवार 16 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

# इंदौर से आबू धाबी अब सिर्फ सवा तीन घंटे की दूरी पर, पर्यटन को नए पंख लगाएगी यह हवाई सेवा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

### मुख्यमंत्री ने इंदौर से आबू धाबी जाने वाले यात्रियों को दिए बोर्डिंग पास

**भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश ने अंतर्राष्ट्रीय विमानन और वैश्विक संस्कृतियों से सम्पर्क में एक नया इतिहास रच दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय डायरेक्ट हवाई सेवा इंदौर-आबू धाबी का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देवी अहिल्याबाई होल्कर इंटरनेशनल एयरपोर्ट इंदौर से मध्यप्रदेश नागरिक विमानन नीति-2025 से वित्त पोषित इस नियमित उड़ान को झंडी दिखाकर रवाना किया। अभी यह सेवा सप्ताह में 4 दिन (सोमवार, बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को) उपलब्ध रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक अवसर पर कहा कि इंदौर से आबू धाबी की यह सीधी उड़ान केवल 2 शहरों को ही नहीं, 2 मित्र देशों, दो समृद्ध संस्कृतियों और अनंत संभावनाओं को जोड़ने वाला एक मजबूत सेतु है। उन्होंने कहा कि यह हवाई सेवा मध्यप्रदेश के विकास, व्यापार, पर्यटन और वैश्विक निवेश को नई गति प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पहले इंदौर से आबू धाबी जाने में करीब 8 घंटे लगते थे। अब सीधी हवाई सेवा ये दूरी केवल सवा तीन घंटे (3 घंटे 15 मिनट) में पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आबू धाबी जाने वाले यात्रियों को बोर्डिंग पास भी दिए। इस रूट का संचालन टाटा समूह और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने विमानन नीति 2025 लागू की है। इसके आधार पर आज इंदौर एयरपोर्ट से प्रदेश की पहली अंतर्राष्ट्रीय उड़ान (इंदौर से आबूधाबी) का शुभारंभ हमारे संकल्प की पूर्ति करेगा। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश के अलग-अलग शहरों के बीच हवाई सेवा और पीएमश्री हेली सर्विस की शुरुआत भी की है। इसके अंतर्गत रीवा से इंदौर, रीवा से दिल्ली और रीवा से रायपुर के लिए हवाई सेवा संचालित हो रही है, जो आगे भी जारी रहेंगी। इसी प्रकार निकट भविष्य में जबलपुर से कोलकाता, भोपाल से रीवा, भोपाल से पटना, रीवा से कोलकाता की उड़ानें शुरू करेंगे। इसके साथ ही प्रदेश के अंदर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए पीएमश्री हेली सर्विस की शुरुआत की गई है। मध्यप्रदेश, देश का प्रथम राज्य है, जिसने सबसे पहले गरीब-जरूरतमंदों के लिए पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सौगात दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय हवाई संपर्क स्थापित हों, इसके लिए राज्य सरकार इंदौर से इंटरनेशनल फ्लाइट शुरू कर रही है। नई विमानन नीति के अंतर्गत इस अंतर्राष्ट्रीय उड़ान सेवा के लिए राज्य सरकार प्रति फ्लाइट लगभग 15 लाख रुपए वाइबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) वहन करेगी। इससे इस रूट के यात्रियों पर हवाई किराये का भार भी घटकर लगभग आधा ही रह जाएगा। इसके साथ ही नीति में नये घरेलू हवाई मार्गों के लिये भी अधिकतम 10 लाख रुपये तक की वाइबिलिटी गेप फंडिंग सहायता का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में तेजी से एयरपोर्ट और हवाई सेवाओं का विकास हो रहा है। राज्य सरकार ने पिछले ढाई साल में 3 नए एयरपोर्ट्स का शुभारंभ किया है। प्रदेश में 2 नए एयरपोर्ट उज्जैन और शिवपुरी में निर्माणाधीन हैं। आगामी कुछ वर्षों में मध्यप्रदेश के 10 बड़े शहर एयरपोर्ट कनेक्टिविटी को रफ्तार देंगे। प्रदेश में प्रत्येक 100 किलोमीटर के दायरे में कमर्शियल एयरपोर्ट और एयरस्ट्रिप और प्रत्येक 45 किलोमीटर के दायरे में एक हेलीपैड का निर्माण प्रस्तावित है। प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में एक-एक स्थायी हेलीपैड बनाया जाएगा।

## न्यूज ब्रीफ

### कोलकाता की तंग गलियों मे चल रहा था देह व्यापार का धंधा, पुलिस पहुंची तो मच गई भगदड़

**कोलकाता/ जीएनएस।** दक्षिण कोलकाता के कस्बा इलाके में पुलिस ने एक होटल में कथित तौर पर चल रहे देह व्यापार के धंधे का भंडाफोड़ कर 15 वर्षीय एक नाबालिग लड़की और दो महिलाओं को मुक्त कराया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो मानव तस्कर, होटल का प्रबंधक और रिसेप्शनिस्ट शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि मंगलवार रात यह कार्रवाई एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) से मिली सूचना के आधार पर की गई, जिसमें होटल से कथित रूप से देह व्यापार चलाए जाने की बात कही गई थी। अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि ग्राहकों को इंटरनेट मीडिया के जरिए कथित तौर पर फंसाया जाता था, जबकि उपनगरीय इलाकों की लड़कियों और युवतियों को नौकरी का झांसा देकर शहर लाया जाता था और बाद में उन्हें देह व्यापार में धकेल दिया जाता था। पुलिस ने सूचना के आधार पर जाल बिछाया और होटल में छापेमारी कर नाबालिग लड़की तथा दो महिलाओं को मुक्त करा लिया। अधिकारी ने बताया कि हम मानव तस्करी के इस नेटवर्क की जांच कर रहे हैं, ताकि इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके और यह पता लगाया जा सके कि क्या इसी तरीके से अन्य लोगों को भी निशाना बनाया गया था। मुक्त कराई गई नाबालिग लड़की को आवश्यक सहायता उपलब्ध करा दी गई है और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उसे संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष पेश किया जाएगा।

### सोनम वांगचुक के नाम शशि थरूर का खुला पत्र, जंतर-मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों से की ये अपील

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक बीते 18 दिनों से दिल्ली के जंतर-मंतर पर सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आज बुधवार को सोनम वांगचुक और जंतर-मंतर पर बैठे प्रदर्शनकारियों के लिए एक खुला पत्र लिखा है। शशि थरूर ने इस ओपन लेटर में सोनम वांगचुक से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। थरूर ने लिखा, इस विरोध-प्रदर्शन ने पहले ही देश की अंतरात्मा को जगा दिया है और छात्रों के मुद्दों की लड़ाई अब संसद में लड़ी जानी चाहिए। शशि थरूर ने पत्र में लिखा, मेरे प्यारे युवा दोस्तों, आज मैं आपसे एक राजनेता या सांसद के तौर पर नहीं, बल्कि एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर बात कर रहा हूं जो युवा भारतीयों की आपकी पीढ़ी के साथ हो रही घटनाओं से बहुत परेशान है। थरूर ने आगे लिखा, यह मामला मेरे लिए व्यक्तिगत है। मेरा जन्म एक मध्यम-वर्गीय परिवार में हुआ था। मेरे पिता अखबार में नौकरी करते थे, मां गृहिणी थीं और एक ही कमाई से तीन बच्चों की पढ़ाई-लिखाई होती थी। हमारे जैसे परिवार के लिए, मेरिट (योग्यता) कोई नारा नहीं था। स्कॉलरशिप, निष्पक्ष परीक्षाएं, ईमानदार नतीजे, यही एकमात्र तरीका था जिससे एक वेतन से तीन बच्चों के सपने पूरे हो सकते थे। कांग्रेस नेता ने आगे बताया, मैंने मुंबई और कोलकाता में स्कूल की पढ़ाई की, दिल्ली में कॉलेज किया, यूनिवर्सिटी में टॉप किया और IIM में दाखिला पाया, लेकिन मैंने स्कॉलरशिप पर अमेरिका जाकर अंतरराष्ट्रीय मामलों में अपने जुनून को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। मुझे विरासत में कुछ नहीं मिला, सब कुछ कड़ी मेहनत और हां, परीक्षाओं के जरिए हासिल किया। शशि थरूर ने आगे लिखा, इसलिए मैं जानता हूं कि कम और मध्यम आय वाले परिवारों के युवाओं के लिए निष्पक्ष, मेरिट-आधारित सिस्टम ही आगे बढ़ने की एकमात्र सीढ़ी है।

# अब भारत में नहीं होगी यूरिया की कमी, देशभर में लगेंगे नए प्लांट; सरकार का मास्टर प्लान तैयार

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** देश को यूरिया में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यूरिया में राष्ट्रीय निवेश नीति को मंजूरी दे दी है।

नई नीति का लक्ष्य देश में 8 से 9 नए गैस आधारित यूरिया प्लांट स्थापित कर करीब एक करोड़ टन अतिरिक्त उत्पादन क्षमता तैयार करना है। इससे देश के भीतर ही यूरिया की जरूरत पूरा करने का रास्ता खुलेगा। नई नीति में निजी, सरकारी एवं सहकारी क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि पिछले कुछ वर्षों में खेती का रकबा बढ़ा है। फसल चक्र में बदलाव आया है और पैदावार भी लगातार बढ़ रही है। इसके कारण यूरिया की मांग भी हर साल लगभग पांच प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। फिलहाल देश में यूरिया की सालाना मांग करीब चार करोड़ टन है, जबकि घरेलू उत्पादन लगभग तीन करोड़ टन है। इस तरह मांग और उत्पादन के बीच करीब एक करोड़ टन का अंतर आयात से पूरा किया जाता है। नई नीति का उद्देश्य इसी अंतर को खत्म करना है।

यह नीति वर्ष 2012 में लागू निवेश नीति का विस्तारित है। पुरानी नीति के तहत छह नए यूरिया प्लांट लगाए गए थे। इनमें चार सार्वजनिक क्षेत्र की संयुक्त उद्यम कंपनियां हैं और दो निजी क्षेत्र की।

पुरानी नीति की अवधि अक्टूबर 2019 में समाप्त हो गई थी। इसके बाद उर्वरक विभाग को नए संयंत्र लगाने के कई प्रस्ताव मिले हैं।

## वो बाघ की तरह लड़ रहा है, टीएमसी में बगावत के बीच अभिषेक को ममता का समर्थन

**कोलकाता/ जीएनएस।** बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस में मची भारी अंतर्कलह और भगदड़ के बीच पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने अपने भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी का पुरजोर बचाव किया है।

ममता के बेहद करीबी रहे मदन मित्र सहित कई दिग्गज नेताओं ने पार्टी छोड़कर ऋतब्रत-तृणमूल का दामन थाम लिया और इसके लिए सीधे तौर पर अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली को जिम्मेदार ठहराया।

इन बागियों को कड़ा जवाब देते हुए ममता बनर्जी ने फेसबुक लाइव के जरिए अपनी भड़ास निकाली। ममता ने दो टूक कहा कि अभिषेक को निशाना बनाना केवल अपनी पीठ बचाने का एक बहाना है।

## स्कूल में पिटाई से आहत 7वीं के छात्र ने किया आत्महत्या का प्रयास, केस दर्ज

**बेंगलुरु/ जीएनएस।** बेंगलुरु में एक निजी स्कूल में पढ़ने वाले छात्र ने मारपीट किए जाने के बाद आत्महत्या की कोशिश की। वह 7वीं कक्षा में पढ़ता है। पुलिस ने स्कूल मैनेजमेंट और शिक्षकों के खिलाफ केस दर्ज किया है। यह घटना मंगलवार को हुई। इस तरह के खतरनाक कदम उठाने से पहले बच्चे ने अपनी बहन को इसकी जानकारी दी थी। बच्चे को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

लड़के के पिता की शिकायत पर स्कूल मैनेजमेंट सेक्रेटरी, प्रिंसिपल और तीन शिक्षकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में आरोप है कि 14 जुलाई को उनके बच्चे की बुरी तरह पिटाई की गई थी। उसी शाम उनके बेटे ने फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से उसका बेटा स्कूल जाने से कतरा रहा था। उसका कहना था कि उसे टीचर, प्रिंसिपल, स्कूल मैनेजमेंट सेक्रेटरी और यहां तक कि दूसरे छात्रों के माता-पिता भी परेशान कर रहे थे।

# काशी को जाम से मिलेगी मुक्ति, छह लेन के बनेंगे दो कॉरिडोर; रेलवे स्टेशनों से होगी सीधी कनेक्टिविटी

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** भगवान शिव की नगरी काशी (वाराणसी) को अब जाम से मुक्ति मिलेगी। केंद्र सरकार ने इसे लेकर काशी में 25 हजार करोड़ से अधिक की लागत से करीब 89 किमी लंबे दो एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने का फैसला लिया है।

एक कॉरिडोर गंगा नदी के किनारे राष्ट्रीय राजमार्ग 19 और वाराणसी रिंग रोड़ के बीच करीब 46 किमी लंबा होगा, जबकि दूसरा कॉरिडोर वरुणा नदी के किनारे राष्ट्रीय राजमार्ग 31व वाराणसी रिंग रोड़ के बीच करीब 43 किमी लंबा होगा। यह कॉरिडोर छह व चार लेन का होगा। जिसमें मेन कैरिजवे, फ्लाई ओवर, लूप रैंप और सर्विस रोड़ आदि शामिल होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट कमेटी ने बुधवार को काशी से जुड़े इन दोनों प्रोजेक्टों को मंजूरी दी है। कैबिनेट फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इन दोनों प्रोजेक्टों से काशी को जाम से मुक्ति मिलेगी।

वैसे भी काशी में औसतन प्रतिवर्ष 15 करोड़ से अधिक पर्यटक और तीर्थयात्री आते है। ऐसे में उन्हें काशी पहुंचने में जाम की समस्या न जूझना पड़े, इसके लिए दोनों कॉरिडोर प्रोजेक्टों को मंजूरी दी गई है।

समय की बचत- कॉरिडोर चालू होने से प्रभावित क्षेत्रों में औसत यात्रा का समय 60 मिनट घटकर महज 20 मिनट रह जाएगा। वही एनएच 19 व काशी रेलवे स्टेशन के बीच का यात्रा समय भी 50 मिनट से घटकर सिर्फ 25 मिनट रह जाएगा। यह चार से छह लेन का होगा। प्रोजेक्ट चार वर्षों में पूरा होगा।

कॉरिडोर से काशी के इन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ- गंगा नदी के किनारे बनने वाला कॉरिडोर काशी के प्रमुख राजमार्गों, रेलवे स्टेशनों, लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे और रामनगर बंदरगाह तक निर्बाध पहुंच प्रदान करेगा। इसके साथ ही काशी विश्वनाथ मंदिर, बीएचयू, नमो घाट, रामनगर किला व वाराणसी के घाटों सहित प्रमुख धार्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक स्थलों तक कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय सुधार होगा।

# 60 हजार नौकरियां, सेमीकंडक्टर हब, और मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग; ड्रैगन को पछाड़ने के लिए क्या है भारत का प्लान?

**नई दिल्ली/ जीएनएस।** आत्मनिर्भरता के साथ साथ वैश्विक सप्लाई चेन में भारतीय महत्व के लिए सेमीकंटक्टर और मोबाइल जैसे प्रोडक्ट पर भारत अब तेजी से कदम बढ़ाना चाहता है।

बुधवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने सेमीकंडक्टर निर्माण कार्य को और आगे बढ़ाने के लिए सेमीकॉन 2.0 स्कीम को भी मंजूरी दी।

इस स्कीम के लिए सेमीकंडक्टर निर्माण से जुड़ी कंपनियों को आर्थिक सहायता देने के लिए 1,27,500 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई। इससे पहले सेमीकॉन 1.0 के तहत 76,000 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई थी, जिसके तहत अब तक 12 मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट को मंजूरी दी गई। ये 12 कंपनियां 1.64 लाख करोड़ का निवेश कर रही हैं।

सेमीकॉन 2.0- सेमीकॉन 2.0 के तहत सेमीकंडक्टर डिजाइन, मशीन व मैटेरियल, फैबू निर्माण, अनुसंधान व विकास तो प्रतिज्ञा सृजन से जुड़ी कंपनियों को इंसेंटिव दिए जाएंगे।

सेमीकंडक्टर या चिप को नए फ्यूल के रूप में देखा जा रहा है। कार, मोबाइल फोन से लेकर लगभग सभी इलेक्ट्रॉनिक्स आइटम में चिप का इस्तेमाल हो रहा है। इस कारण दुनिया भर में इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल फोन पार्ट्स व सेमीकॉन के घरेलू निर्माण में तेजी से आयात बिल में कमी आएगी।

मोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग पर सरकार का जोर- वहीं मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग का घरेलू स्तर पर इको- सिस्टम विकसित करने और वैश्विक सप्लाई चेन में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए एक बार फिर से सरकार मोबाइल फोन मैन्यूफैक्चरिंग स्कीम (एमपीएमएस) लेकर आई है। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ने स्कीम के तहत 62,500 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। स्कीम की अवधि वित्त वर्ष 2026-27 से लेकर 2030-31 तक के लिए होगी।

स्कीम के तहत भारत में मोबाइल निर्माण करने वाली कंपनियों को 2.25 प्रतिशत ले लेकर पांच प्रतिशत का इंसेंटिव दिया जाएगा। मोबाइल निर्माण में घरेलू पार्ट्स का अधिकाधिक इस्तेमाल करने वाली कंपनियों को अलग से 1.5 प्रतिशत का इंसेंटिव दिया जाएगा।

## अंबाजी मंदिर में चढावा चोरी के 3 आरोपी रिमांड पर, मंदिर प्रशासक ने कराई प्राथमिकी दर्ज

**अहमदाबाद/ जीएनएस।** गुजरात के प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर में चढावा चोरी का मामला प्रकाश में आया है, मंदिर प्रशासक की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया है, तीनों आरोपी को पुलिस रिमांड पर सौंप दिया गया है।

मंदिर प्रशासन को सीसीटीवी फुटेज में चढावे की गिनती के दौरान एक युवक चोरी करते नजर आया था। एक युवक की जेब से करीब एक लाख रु के नोट का बंडल गिर जाने के बाद यह चोरी पकडी गई।

चढावे की रुपये छिपाते नजर आया था युवक- उत्तर गुजरात के प्रसिद्ध अंबाजी मंदिर के प्रशासक कौशिक मोदी ने बताया कि 15 अप्रेल के सीसीटीवी फुटेज में एक युवक चढावे की गिनती करते हुए रुपये छिपाते नजर आया था। गत 5 मई को गिनती में शामिल एक युवक की जेब से नोटों का बंडल गिर गया था इसके बाद यह चोरी का मामला प्रकाश में आया। प्रशासक ने बताया इस घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया गया, अभी तक तीन आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, अभी आरोपी रिमांड पर सौंपे गये हैं। इस घटना के बाद मंदिर प्रशासन ने चढावे की गिनती को पारदर्शी बनाने के लिए मंदिर के बाहर स्क्रीन पर लाइव स्ट्रीमिंग शुरु कर दी है।

इसके अलावा चढावे की गिनती करने वाली एजेंसी के कर्मचारियों की दो स्तर पर एसआरपी जवान जांच करते हैं। प्रशासक ने बताया कि मंदिर चढावे से चुराए गए रु पुलिस ने तुरंत बरामद कर लिये गये हैं।

# इंदौर में 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान की शुरुआत, 2500 लोगों ने ली नशामुक्ति की शपथ

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** युवाओं और समाज को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति तथा उसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने ÷नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0÷ अभियान का भव्य शुभारंभ किया। पुलिस मुख्यालय मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस विशेष जनजागरूकता अभियान की शुरुआत पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने अवेयरनेस बैज लगाकर और जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर की।

पुलिस आयुक्त कार्यालय, पलासिया से शुरू हुई रैली गिटार तिराहा, पलासिया चौराहा, घंटाघर चौराहा होते हुए 56 दुकान तक पहुंची। रैली में करीब 2500 विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेट्स, ट्रैफिक मित्रों, नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों, ट्रेनी डॉक्टर्स, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ लेते हुए स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने कहा कि युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाना पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके परिवार, भविष्य और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को इस जनआंदोलन से जुड़कर नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

अभियान के तहत शहरभर में 30 जुलाई तक नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद, पोस्टर एवं पंपलेट वितरण, निबंध, चित्रकला, रील और शॉर्ट फिल्म प्रतियोगिताएं, सोशल मीडिया जागरूकता अभियान, वीडियो स्क्रीनिंग तथा प्रेरक संदेशों का प्रसारण जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनके माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों और उससे बचाव के प्रति जागरूक किया जाएगा।

रैली का सबसे बड़ा आकर्षण एक विशेष रोबोट रहा, जिसने सबसे आगे चलते हुए ÷नशे से दूरी है ज़रूरी÷ का संदेश दिया। रोबोट के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने सेल्फी लेकर अभियान का समर्थन किया। इस दौरान पुलिस आयुक्त ने अभियान के लिए बनाए गए सेल्फी पॉइंट का भी लोकार्पण किया और स्वयं सेल्फी लेकर नागरिकों से इस जनजागरूकता अभियान का हिस्सा बनने की अपील की।

कार्यक्रम में पुलिस उपायुक्त राजेश त्रिपाठी, अमन सिंह राठौर, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दण्डोतिया सहित पुलिस अधिकारी, नगर सुरक्षा समिति के पदाधिकारी, एनसीसी कैडेट्स, ट्रैफिक प्रहरी, ट्रेनी डॉक्टर्स, विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

## एमपीपीएससी प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की निःशुल्क कोचिंग हेतु आवेदन आमंत्रित

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग संचालित की जा रही है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रशिक्षण केन्द्र की सहायक आयुक्त एवं प्राचार्य श्रीमती आशा चौहान ने बताया कि पात्र अभ्यर्थी प्रशिक्षण केन्द्र से आवेदन पत्र प्राप्त कर उसे पूर्ण रूप से भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित शीघ्र संस्थान में जमा करें तथा निःशुल्क कोचिंग का लाभ प्राप्त करें। लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) प्री-कम-मेन्स परीक्षा 2027 की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग हेतु प्रवेश के लिए आवेदक का मध्यप्रदेश का अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति वर्ग का निवासी होना आवश्यक है। आवेदक के परिवार की सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच तथा स्नातक में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा। प्रशिक्षणार्थियों के लिए केन्द्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों से युक्त समृद्ध पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर लैब की सुविधा उपलब्ध है। अनुभवी एवं योग्य अतिथि प्राध्यापकों द्वारा प्री, मेन्स तथा साक्षात्कार की तैयारी कराई जाती है। छात्रावास की सुविधा उपलब्ध नहीं है, जबकि नियमानुसार उपस्थिति के आधार पर छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता प्रदान की जाएगी। अधिक जानकारी एवं आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए इच्छुक अभ्यर्थी शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर से संपर्क कर सकते हैं।

## महाकुंभ वायरल गर्ल और उसके पति फरमान खान को इंदौर हाई कोर्ट से राहत, गिरफ्तारी या अन्य कार्रवाई पर रोक

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कुंभ मेले के दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से चर्चित हुई युवती और उसके पति फरमान खान को हाई कोर्ट से राहत मिल गई है। एकलपीठ ने अंतरिम राहत देते हुए आदेश दिया कि फिलहाल पुलिस दोनों के खिलाफ खरगोन जिले के महेश्वर पुलिस थाने में दर्ज प्रकरण में कोई कार्रवाई नहीं करेगी। खरगोन के महेश्वर निवासी युवती पिछले वर्ष महाकुंभ के दौरान रुद्राक्ष की माला बेचते हुए सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। हाई कोर्ट में प्रस्तुत याचिका में उसने कहा है कि केरल में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उसकी फरमान से मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच संबंध बने और मार्च 2026 में उन्होंने विवाह किया। इसके बाद मामला उस वक्त विवादों में घिर गया जब राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने कहा कि विवाह के समय युवती की आयु लगभग 16 वर्ष थी। शादी के लिए फर्जी दस्तावेजों का उपयोग किया गया। खरगोन पुलिस ने इस मामले में फरमान के खिलाफ पाक्सो एक्ट की धारा में केस दर्ज किया है। हालांकि 20 अप्रैल 2026 को केरल हाई कोर्ट ने आरोपित फरमान की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी थी। मप्र हाई कोर्ट में प्रस्तुत याचिका में युवती और फरमान ने आरोप लगाया कि युवती के पिता ने विवाह के खिलाफ साजिश के तहत उनके जन्म रिकार्ड में हेराफेरी की और उसे अवयस्क बताने का प्रयास किया। यह भी कहा है कि जन्म प्रमाणपत्र में गलत तरीके से बदलाव किए गए। वास्तविक जन्म प्रमाण पत्र बगैर किसी नोटिस और कानूनी प्रक्रिया के पोर्टल से हटाया गया। याचिका में यह भी कहा है कि युवती के पिता और अन्य ने सोशल मीडिया पर फरमान के खिलाफ भड़काऊ प्रचार किया और लव जिहाद जैसे शब्दों का इस्तेमाल कर विवाह को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास किया। सुनवाई के दौरान युवती ने एक आवेदन प्रस्तुत कर गुहार लगाई थी कि याचिका में जन्म प्रमाण पत्र जारी करने वाले महेश्वर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) को पक्षकार के रूप में जोड़ा जाए।

## आकांक्षा योजना से वंचित विद्यार्थियों ने मुंडवाए सिर, नीट पेपर लीक का मामला भी उठाया

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अनियमितता से नाराज होकर विद्यार्थी पंद्रह दिनों से भंवरकुआं इलाके के उद्यान में आंदोलन करने में लगे है। मंगलवार को इन्हीं छात्र-छात्राओं ने भंवरकुआं चौराहे से कलेक्टोरेट कार्यालय तक निकली रैली। यहां छात्र-छात्राएं अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर कार्यालय में पांच घंटे तक धरना देते रहे।

विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए चलाई जा रही आकांक्षा योजना में भारी गड़बड़ी हुई है। योजना के तहत मिलने वाली कोचिंग और अन्य सुविधाएं विद्यार्थियों तक नहीं पहुंच रही हैं। यहां तक कि योजना से वंचित विद्यार्थियों ने अपने सिर भी मुंडवाए। प्रदर्शन के दौरान विद्यार्थियों ने आकांक्षा योजना को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि करीब 80 करोड़ रुपये के टैबलेट भी छात्रों को वितरित नहीं किए गए और विशेष कक्षाओं के लिए नियुक्त एजेंसी द्वारा भी नियमित कक्षाएं नहीं लगाई जा रही हैं। छात्रों ने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई, एजेंसी का टेंडर निरस्त करने मांग की। हालांकि जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग ने कक्षाएं लगाने के लिए एजेंसी को निर्देश दिए। यहां तक कि सुविधाएं देने पर जोर दिया। नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन (नेयू) के राधे जाट का कहना है कि 25 मांगों को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा है। कुछ मांगों पर सहमति बनी है। नीट पेपर लीक पर हो जांच- आंदोलन करने वाले विद्यार्थियों ने नीट पेपर लीक पर भी अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और एनटीए को तत्काल भंग करने की मांग रखी। साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से हटाने, सभी रिक्त और बैकलाग पदों पर जल्द भर्ती करने, एडीपीओ पदों की संख्या बढ़ाने, पांच वर्षीय भर्ती व्यवस्था समाप्त कर नियमित भर्ती शुरू करने तथा वार्षिक भर्ती कैलेंडर जारी करने की बात कहीं।

# महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने की जोन-11 वार्ड समिति की समीक्षा, विकास कार्यों में देरी पर जताई सख्ती

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बुधवार को नगर निगम के जोन क्रमांक-11 की वार्ड समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने और विकास कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की कार्यप्रणाली में जोन कार्यालय सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं और यही नागरिकों तक निगम की सेवाएं प्रभावी ढंग से पहुंचाने का माध्यम हैं।

बैठक में जोन अध्यक्ष महेश बसवाल, पार्षद विजयालक्ष्मी गौहर, पंखुड़ी जैन डोसी, महापौर प्रतिनिधि भावेश दवे, जोनल अधिकारी गीतेश तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

महापौर ने कहा कि नगर निगम लगातार डिजिटल सेवाओं का विस्तार कर रहा है, ताकि नागरिकों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश कोई नागरिक जोन कार्यालय पहुंचे तो उसे सम्मानजनक व्यवहार, सकारात्मक माहौल और त्वरित समाधान मिलना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता से सुना जाए और उसके कार्यों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसेवा ही नगर निगम की सबसे बड़ी पहचान है और नागरिकों का विश्वास बनाए रखना प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी की जिम्मेदारी है।

महापौर भार्गव ने परिषद के वर्तमान कार्यकाल के शेष समय को विकास कार्यों की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि स्वीकृत और प्रगतिरत सभी विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। जिन कार्यों को स्वीकृति मिलने के बावजूद शुरू नहीं किया गया है, उन्हें तत्काल प्रारंभ कराया जाए और जो कार्य चल रहे हैं, उनकी गति बढ़ाकर समय पर पूरा किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्यों की नियमित समीक्षा और मॉनिटरिंग की जाए, ताकि किसी भी प्रशासनिक या तकनीकी बाधा का समय रहते समाधान किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

बैठक में वार्ड समिति के एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों में चल रहे विकास कार्यों, सड़क निर्माण, बैक लेन निर्माण, आधारभूत सुविधाओं और नागरिक समस्याओं से जुड़े मुद्दे उठाए। साथ ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित कार्यों का शीघ्र निराकरण करते हुए नागरिकों को बेहतर और प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

# केंद्र के बजट के इंतजार में धीमी गति से चल रही पीएम ई-बस सेवा, इंदौर में पांच माह से डिपों में खड़ी 30 बसें

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** केंद्र सरकार से फंड के इंतजार में इंदौर शहर को मिली पीएम ई-बस सेवा धीमी गति से चल रही है। पांच माह पहले 40 बसे इंदौर आई थी, इनमें से 30 अब भी डिपो में खड़ी है। एआईसीटीएसएस प्रबंधन अभी तक एक रुट सेमलिया चाऊ, कनाड़िया से राऊ रंगवासा के बीच 10 बसें ही चला पाया है। केंद्र सरकार के अर्बन एडमिशट्रेशन डेवलमेंट डिपार्टमेंट (यूएडीटी ) विभाग द्वारा दिए जा रहे फंड के माध्यम से इन बसों का संचालन होना है।

एआईसीटीएसएल ने पांच माह पहले डिपो के निर्माण 15 करोड़ की राशि की मांग की है लेकिन अभी तक यह राशि नहीं मिली। वही बस संचालन के लिए आपरेटर को दिए जाने वाले प्राइज रुपए 58 रुपये प्रति किमी की राशि के लिए भी पत्र लिखा गया लेकिन यह राशि भी अभी तक नहीं मिली है। इस वजह है डिपो का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है और बस का संचालन भी अभी थमा हुआ है। स्थिति यह है कि निर्माण कार्य की आउट स्टैंडिंग ही 10 करोड़ की हो चुकी है लेकिन भुगतान न होने से काम अटका हुआ है। वही मप्र के परिवहन विभाग के अंतगर्त एमपी यात्री परिवहन एवं इंफ्रास्ट्रक्चर लि. को इन बसों के रूट तय करने की जिम्मेदारी दी गई है। वहां से भी अभी तक एजेंसी व रूट तय नहीं किया जा सका है। इस वजह से नायता मूंडला डिपो में बसें खड़ी हे।

नायता मूंडला ई-बस डिपो तैयारियां है अभी अधूरी- चार्जिंग स्टेशन पर अब लग रहे शेड ÷ नायता मूंडला में 18 चार्जिंग स्टेशन बनाए है। इसमें से 10 आपेरशन है। चार्जिंग स्टेशन की मशीनें लग गई है लेकिन इन्हें वर्षा से बचाने के लिए अब शेड लगाने का कार्य किया जा रहा है। अभी तक बस चार्जिंग मशीनों को पानी से बचाने के लिए ढंककर रखा गया है।

मेंटेनेस, वाशिंग यार्ड व प्रशासनिक भवन अूधरा ÷ अभी तक नायता मूंडला पर मेंटनेस व वाशिंग यार्ड तैयार नहीं हुआ है। प्रशासनिक भवन की इमारत भी निर्माणाधीन है।

देवास नाका डिपो÷ यह अभी निर्माणाधीन ही है। इसे तैयार होने में समय लगेगा। एचटी विद्युत कनेक्शन मिलना बाकी है। इस वजह से चार्जिंग स्टेशन नहीं लग पा रहे।

## नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस की रील और शॉर्ट मूवी प्रतियोगिता, युवाओं से मांगी रचनात्मक भागीदारी

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने और नशामुक्त समाज के निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत रील और शॉर्ट मूवी प्रतियोगिता का आयोजन किया है। यह प्रतियोगिता 15 जुलाई से 20 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी।

प्रतियोगिता में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी, युवा तथा आम नागरिक 1 से 3 मिनट की प्रभावी रील या शॉर्ट फिल्म बनाकर नशे के खिलाफ जागरूकता का संदेश देंगे। प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता के माध्यम से ड्रग्स के दुष्प्रभावों और नशे से होने वाले सामाजिक व व्यक्तिगत नुकसान को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करना होगा।

इंदौर पुलिस का उद्देश्य युवाओं की सृजनात्मक क्षमता का उपयोग करते हुए समाज में नशा विरोधी जनजागरूकता को व्यापक स्तर तक पहुंचाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें और नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को इंदौर पुलिस द्वारा सम्मानित और पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा चयनित रील और शॉर्ट फिल्मों को इंदौर पुलिस के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी प्रदर्शित किया जाएगा, जिससे उनके संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके।

इंदौर पुलिस ने सभी स्कूलों, महाविद्यालयों, युवाओं और नागरिकों से इस प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि युवाओं की रचनात्मक भागीदारी से नशे से दूरी है ज़रूरी का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचेगा और नशामुक्त भारत के निर्माण की दिशा में यह अभियान एक प्रभावी जनआंदोलन साबित होगा।

## खेती को केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रखा जायेगा, 'खेत से कारखाने और कारखाने से बाजार' तक विकसित की जा रही है संपूर्ण कृषि अर्थव्यवस्था- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को इंदौर में राज्य स्तरीय बलराम कृषि महोत्सव का शुभारंभ करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को ÷किसान कल्याण वर्ष÷ के रूप में समर्पित किया है। इस उद्देश्य से कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, एमएसएमई, राजस्व, ऊर्जा सहित 16 विभागों को एक मंच पर लाकर किसानों के समग्र विकास का अभियान प्रारंभ किया गया है और किसानों की आय बढ़ाने के लिये रोडमैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने, आधुनिक तकनीक उपलब्ध कराने, प्रसंस्करण, विपणन और रोजगार से जोड़ने का व्यापक अभियान है, जो अब पूरे प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 55 जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक अनेक आयोजन होंगे और खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के सर्वांगीण विकास का संकल्प लेकर सरकार आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यदि देश के इन चार वर्गों का विकास सुनिश्चित हो जाता है तो भारत की उन्नति स्वतः सुनिश्चित हो जाएगी। किसान इन चारों वर्गों के केंद्र में है, इसलिए सरकार ने किसान कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष सरकार ने उद्योग एवं रोजगार वर्ष मनाया था, जिसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश धरातल पर उतर रहे हैं। अब उसी प्रकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए कृषि क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन लाया जा रहा है।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, मध्यप्रदेश गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष श्री ओम जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना सतीश मालवीय, विधायक श्री मधु वर्मा, श्रीमती मालिनी गौड़, श्री गोलू शुक्ला, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, श्री श्रवण चावड़ा, श्री कपिल यार्दे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य है। प्रदेश की 250 से अधिक नदियाँ लाखों लोगों के जीवन को समृद्ध बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने नर्मदा जैसी जीवनदायिनी नदी के जल का समुचित उपयोग नहीं किया, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नर्मदा घाटी परियोजनाओं को नई गति मिली। अनेक योजनाओं ने मालवा अंचल को सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराया तथा प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता को भी मजबूत किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1956 से लेकर 2003 तक प्रदेश में केवल 7.5 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध थी, जबकि हमारी सरकारों ने इसे बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाया है। आगामी वर्षों में सिंचित क्षेत्र को और बढ़ाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसान की समृद्धि का आधार पानी, बिजली और सड़क है। इन तीनों क्षेत्रों में सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि किसानों को अब रात्रि के बजाय दिन में कृषि बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार तेजी से काम कर रही है, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और खेती करना अधिक सुविधाजनक होगा।

# स्कूल में बच्चों के बीमार होने की घटना के बाद जिला प्रशासन सख्त

### शिशुकुंज एजुकेशनल सोसायटी को सुधार सूचना पत्र जारी, कमियां दूर करने के निर्देश

**इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** हाल ही में एक निजी विद्यालय में भोजन ग्रहण करने के उपरांत बच्चों के अस्वस्थ होने की घटना को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में जिले के स्कूलों एवं शैक्षणिक संस्थानों में संचालित मेस एवं कैंटीनों की सघन जांच लगातार की जा रही है।

इसी क्रम में विगत 22 जून 2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा शिशुकुंज एजुकेशनल सोसायटी बायपास रोड झलारिया इंदौर का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा एवं स्वच्छता मानकों से संबंधित कई गंभीर कमियां पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 32 के अंतर्गत संस्थान को सुधार सूचना पत्र जारी किया गया है।

निरीक्षण में पाया गया कि खाद्य निर्माण क्षेत्र की खिड़कियां उचित रूप से कवर नहीं थीं, जिससे कीट एवं अन्य पेस्ट के प्रवेश की संभावना बनी हुई थी। रॉ-मैटेरियल का भंडारण अव्यवस्थित था तथा एक्सपायरी खाद्य पदार्थ भी संग्रहित पाए गए, जिससे FIFO एवं स्नश्वस्नह्र प्रणाली का पालन नहीं होना स्पष्ट हुआ। खाद्य पदार्थों की जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी तथा खाद्य निर्माण में प्रयुक्त कुछ बर्तन फूड ग्रेड सामग्री के स्थान पर एल्यूमिनियम के पाए गए। इसके अतिरिक्त उपयोग किया हुआ कुकिंग ऑयल किचन में ही संग्रहित पाया गया। डीप फ्रीजर में तापमान नियंत्रण प्रणाली एवं तापमान प्रदर्शित करने वाला डिस्प्ले उपलब्ध नहीं था। फूड हैंडलर्स केवल कैप का उपयोग करते पाए गए, जबकि एप्रन एवं ग्लव्स का उपयोग नहीं किया जा रहा था। निर्माण में प्रयुक्त पानी की नवीनतम NABL लैब (IS:10500) जांच रिपोर्ट उपलब्ध नहीं थी तथा पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड भी अपूर्ण पाया गया। निरीक्षण के दौरान लिए गए कुल 23 खाद्य नमूनों में से ड्रिंकिंग वाटर, सोयाबीन तेल, ब्रीओ नमकीन, तुअर दाल एवं अमूल स्ट्रॉबेरी आइसक्रीम के नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए। इन मामलों में संबंधित वैधानिक कार्रवाई भी प्रचलन में है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संस्थान को निर्देशित किया गया है कि 14 दिवस के भीतर निरीक्षण के दौरान पाई गई सभी कमियों का निराकरण कर आवश्यक दस्तावेजों सहित अनुपालन प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि में संतोषजनक अनुपालन प्रस्तुत नहीं किए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार लाइसेंस/पंजीयन के निलंबन सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा है कि विद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं खाद्य सुरक्षा मानकों से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यदि संबंधित प्रतिष्ठान 14 दिवस के भीतर अथवा उससे पूर्व सभी कमियों का निराकरण कर देता है, तो जिला प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त दल पुनः संस्थान का निरीक्षण करेगा।

# शिवना नदी के तीन प्रमुख प्रोजेक्टों की विधायक जैन ने की समीक्षा, घटिया कार्य पर पीआईयू अधिकारियों को लगाई फटकार

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शिवना नदी के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण से जुड़े तीन महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों की प्रगति की समीक्षा करने के लिए लोकप्रिय विधायक विपिन जैन ने बुधवार सुबह शिवना नदी तट पर पीआईयू, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) एवं नगर पालिका के अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कार्यों की समीक्षा कर निरीक्षण किया। उन्होंने तीनों विभागों से परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा सभी कार्यों को आपसी समन्वय, उच्च गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान विधायक जैन ने सबसे पहले 29 करोड़ रुपये की लागत से पीआईयू द्वारा संचालित सीवरेज परियोजना की समीक्षा की। उन्होंने सीवरेज पाइप लाइन के बार-बार फूटने और गंदे नालों का पानी सीधे शिवना नदी में मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता के पैसे से किए जा रहे विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, घटिया निर्माण या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को तकनीकी खामियों को दूर कर कार्य को बेहतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में 7.87 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले शिवना पाथ-वे प्रोजेक्ट की भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस परियोजना के तहत राजाराम फैक्ट्री, चीकलीकर मोहल्ला, अंबेडकर चौराहा, कोर्ट रोड होते हुए भगवान श्री पशुपतिनाथ मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण, रिटेनिंग वॉल सहित विभिन्न विकास कार्य किए जाएंगे। विधायक जैन ने कहा कि यह परियोजना शहर की सुंदरता और यातायात व्यवस्था दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए इसे निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। इसके अलावा नगर पालिका द्वारा 12.32 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित शिवना तट सौंदर्यीकरण, घाट निर्माण, लाइटिंग एवं अन्य विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। विधायक जैन ने नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्तापूर्वक पूर्ण किए जाएं। साथ ही सीवरेज व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने और गंदे पानी की सुचारु निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में सीवरेज का पानी शिवना नदी में नहीं मिलना चाहिए। नदी को प्रदूषणमुक्त बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम प्राथमिकता के साथ उठाए जाएं। बैठक के अंत में विधायक विपिन जैन ने तीनों विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी परियोजनाओं का क्रियान्वयन आपसी समन्वय के साथ किया जाए, ताकि एक विभाग के कार्य से दूसरे विभाग के काम में कोई बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि शिवना नदी मंदसौर की आस्था, संस्कृति और पहचान का प्रतीक है। इसलिए इससे जुड़े सभी विकास कार्य शहर की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने दोहराया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा सभी परियोजनाओं का समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि शहरवासियों को शीघ्र इन विकास कार्यों का लाभ मिल सके।

## कलेक्टरने बड़े अस्पताल का किया निरीक्षण, एमसीएच भवन में ओटी एवं लेबर रूम शीघ्र शुरू करने के दिये निर्देश

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर अदिति गर्ग ने बुधवार को जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। इस परिसर में हाल में निर्मित किये गये मातृ एवं शिशु कल्याण संस्था का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने ऑपरेशन थियेटर एवं लेबर रूम शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिये। इस दौरान एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य, सीएमएचओ डॉ. गोविंद सिंह चौहान, सिविल सर्जन डॉ. बी.एल. रावत आदि उपस्थित थे। कलेक्टर ने डॉक्टरों की बैठक व्यवस्था बेहतर करने तथा सुविधाओं का विस्तार करने, गनेड़िवाल धर्मशाला के जीर्णोध्दार के लिये भी निर्देशित किया। चिकित्यालय में दी जा रही सेवाओं के संबंध में सीधे मरीजों से चर्चा की। मरीजों ने सेवाओं को संतोषप्रद बताया। एनसीडी शाखा के निरीक्षण के दौरान मरीजों के उपचार तथा दवाओं के रिकार्ड की बारिकी से जांच की। चिकित्सालय में स्वच्छता का भी जायजा लिया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिये। आदित्य भवन स्थित ओपीडी में कलेक्टर ने पहुंचकर मरीजों के परीक्षण तथा उपचार का जायजा लिया, परिजनों से चर्चा की। कलेक्टर द्वारा ओपीडी कक्ष, अस्थि रोग, दंत रोग, फिजियोथैरेपी कक्ष, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं उपचार कक्ष, स्त्री रोग ओपीडी, बाल रोग चिकित्सा कक्ष, लेबर रूम तथा पीएनसी-एनआरसी वार्ड का विस्तृत निरीक्षण किया गया। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती बच्चों की माताओं से उनके स्वास्थ्य एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बातचीत की। साथ ही प्रसूति वार्ड में भर्ती महिलाओं से भी चर्चा कर उपचार एवं देखभाल की जानकारी ली। कलेक्टर ने अस्पताल में डॉक्टरों की उपस्थिति (अटेंडेंस) की जानकारी ली तथा निर्देश दिए कि भर्ती मरीजों के परिजनों के ठहरने के लिए अलग एवं समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

## कलेक्टर मिशा सिंह ने कलेक्टर परिसर में किया पौधारोपण

**रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** एक पेड़ मां नाम अभियान के अंतर्गत जिले में हरियाली बढ़ाने एवं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने कलेक्टर परिसर में पौधारोपण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बृजेंद्र कुमार रावत सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी सामूहिक रूप से पौधे लगाए।

कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने परिसर का निरीक्षण करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधारोपण वाले स्थल को व्यवस्थित रूप से विकसित कर आकर्षक गार्डन का स्वरूप दिया जाए। उन्होंने परिसर में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, पौधों के संरक्षण एवं उनके समुचित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही उद्यानिकी विभाग के सहयोग से पौधों की देखभाल एवं स्थल के सौंदर्यीकरण की कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

पौधारोपण अभियान के दौरान परिसर में लगभग 100 छायादार एवं पर्यावरण हितैषी पौधे लगाए गए, जिनमें बादाम, शीशम, पीपल सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे शामिल हैं।

# आचार्य अशोक सागर सूरीश्वरजी मसा सहित 5 आचार्यों का मंदसौर नगर में हुआ आगमन, चल समारोह निकला

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** चन्द्रपुरा मेन रोड स्थित श्री आर्यरक्षित सूरि जैन तीर्थ में वर्ष 2026 का चातुर्मास तीर्थ के प्रेरक आचार्य श्री अशोक सागरजी मसा व 4 अन्य जैन आचार्यों का होने जा रहा है। बुधवार को आचार्य श्री अशोक सागर सूरिश्वरजी मसा के साथ जैन आचार्य श्री सागरचन्द्र सागर सूरीश्वरजी मसा, आचार्य श्री सौम्यचन्द्र सागर सूरीश्वरजी मसा, आचार्य श्री विवेकचन्द्र सागर सूरीश्वरजी मसा, आचार्य श्री तीर्थचन्द्र सागरजी सूरीश्वरजी मसा, प्रवर्तक श्री पद्मयश सागरजी मसा, प्रवर्तक श्री धैर्यचन्द्र सागरजी, गणिवर्य श्री मोक्षचन्द्रसागरजी, मुनि श्री वैराग्यचन्द्रसागरजी, श्री धन्यचन्द्रसागरजी म. सा. व साध्वी श्री शीलरेखा श्रीजी म. सा. आदि ठाणा 7 का नगर आगमन हुआ। आचार्य श्री का वर्षावास (चातुर्मास) हेतु भव्य प्रवेश चल समारोह 19 जुलाई को निकलेगा। चातुर्मास मंगल प्रवेश के पूर्व बुधवार को आचार्य श्री के नगर आगमन पर श्री आर्यरक्षित जैन तीर्थ ट्रस्ट मण्डल, जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ एवं नागरिकों के द्वारा अगवानी की गयी। चतुर्विद संघ (साधु-साध्वी-श्रावक-श्राविका) की गरिमामय उपस्थिति में संतों का नगर प्रवेश हुआ। आचार्य श्री के नगर आगमन पर जिला जेल परिसर के सामने आरआरबी चौराहा पर जैन समाजजनों ने उपस्थित होकर उनकी अगवानी की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद बैण्ड बाजे के साथ सादगीपूर्ण रूप से चल समारोह निकाला गया जो महू-नीमच रोड, नाहटा चौराहा, रेल्वे स्टेशन रोड, आरस नेत्र चिकित्सालय रोड होते हुए चल समारोह अनिल संघवी के निवास स्थान प्रेम कॉलोनी पहुँचा यहाँ चन्द्रकुमार संघवी परिवार के अनिल संघवी, अरविन्द संघवी, अजय संघवी ने गहुली कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा यहां संघवी परिवार के द्वारा नवकारसी का भी आयोजन किया गया।

इस अवसर पर चल समारोह में श्री आर्यरक्षित सूरि जैन तीर्थ ट्रस्ट अध्यक्ष शांतिलाल लोढ़ा, उपाध्यक्ष मुकेश खमेसरा, चातुर्मास समिति अध्यक्ष अनिल संघवी, सचिव संदीप धींग, जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अध्यक्ष संजय जैन श्वेता, उपाध्यक्ष सुनील बालावत, नरेश जैन जैन स्वीट्स, पूर्व अध्यक्ष कमल कोठारी, विरेन्द्र भण्डारी, सकल जैन समाज उप संयोजक संजय मुरड़िया, आराधना भवन श्रीसंघ के दिलीप रांका, महेश जैन तहलका, निलेश बम्बोरिया, रूपचांद आराधना भवन के दिलीप डांगी, अनिल डांगी, समाजसेवी हिम्मत लोढ़ा, अजीत संघवी, कपिल भण्डारी, दिलीप संघवी, राकेश दुग्गड, विजय सुराना (भाजपा जिला महामंत्री), पारस डोसी, अभय पोखरना, राकेश जैन एमपी एग्रो, अरूण जैन धमनार वाला, युवा नेता सोमिल नाहटा, सुनील जैन महाबली (भाजपा जिला उपाध्यक्ष), अशोक कर्नावट, दरवाल सिंह लोढ़ा, रिखब बिल्लोरिया, सुशील जैन, कांतिलाल संघवी, अरविन्द बोथरा, विमल छिंगावत, जितेन्द्र जैन घड़ीवाला, विनोद हीरालाल मेहता, विकास भण्डारी सीए, धर्मेन्द्र खमेसरा, चेतन खमेसरा, अभिषेक खमेसरा, आदिश भण्डारी, भरत संघवी, हिम्मत डांगी, शालु संघवी सहित कई गणमान्य नागरिकगण भी चल समारोह में शामिल हुये।

## चंबल कॉलोनी स्कूल में मेघनानी परिवार ने बांटी शिक्षण सामग्री और जूते, बच्चों के चेहरे खिले

**मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** शासकीय प्राथमिक विद्यालय चंबल कॉलोनी में बुधवार को शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी मेघनानी परिवार द्वारा विद्यालय के जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, कॉपियां, बालपेन और जूते (शूज) वितरित किए गए। मेघनानी परिवार का बच्चों के प्रति यह स्नेह नया नहीं है, बल्कि उनके द्वारा हर वर्ष विद्यालय में बच्चों की आवश्यकता के अनुसार इसी तरह उपयोगी सामग्री का वितरण किया जाता रहा है। इस सेवाभावी कार्यक्रम में मेघनानी परिवार की ओर से मुख्य रूप से हितेश जी मेघनानी, महेन्द्र सिंह यादव और अन्य परिवारजन विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने अपने हाथों से बच्चों को उपहार स्वरूप यह सामग्री भेंट की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक किरणेन्द्र ठौरा ने मेघनानी परिवार की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को जब भी किसी भी प्रकार की आवश्यकता होती है, मेघनानी परिवार सदैव आगे आकर उसकी पूर्ति करता है। उन्होंने इस पुनीत कार्य और निरंतर सहयोग के लिए संपूर्ण विद्यालय परिवार की ओर से मेघनानी परिवार का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर संकुल प्राचार्य विजय सिंह पुरावत के साथ-साथ विद्यालय स्टाफ मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रधानाध्यापक किरणेन्द्र ठौरा, रचना वर्मा, सरिता व्यास, तृप्ति चावड़ा, पारुल पाटिल और दिनेश परमार ने सक्रिय भूमिका निभाई और उपस्थित रहकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

## नीमच में पदोन्नत पुलिसकर्मियों का सम्मान, एसपी राजेश व्यास ने दिलाई नशामुक्ति की शपथ

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिस कंट्रोल रूम में बुधवार को आरक्षक से प्रधान आरक्षक तथा प्रधान आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) पद पर पदोन्नत हुए पुलिसकर्मियों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास ने पदोन्नति प्राप्त करीब 70 पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए नई जिम्मेदारियों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करने का संदेश दिया। उन्होंने पुलिस विभाग में अनुशासन, जनसेवा और कर्तव्यनिष्ठा के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

इस दौरान प्रदेशव्यापी ÷नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0 के तहत सभी पदोन्नत कर्मचारियों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। एसपी ने नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल, नगर पुलिस अधीक्षक किरण चौहान, रक्षित निरीक्षक विक्रम सिंह भदौरिया, प्रभारी रेडियो निरीक्षक जितेंद्र रघुवंशी सहित पुलिस अधिकारी एवं पदोन्नत कर्मचारी मौजूद रहे।

## राजस्व अमले की त्वरित कार्रवाई से कंजार्डा के 12 किसानों को मिली राहत

### बंद शासकीय रास्ता खुलवाकर की सुगम आवाजाही सुनिश्चित

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशन में जिले में बंद शासकीय रास्तों एवं रास्ता संबंधी विवादों के निराकरण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत राजस्व विभाग ने मनासा तहसील के ग्राम कंजार्डा में 12 किसानों की लंबे समय से चली आ रही रास्ते की समस्या का त्वरित समाधान किया है।

मनासा तहसील के पटवारी हल्का क्रमांक-45 अंतर्गत ग्राम कंजार्डा में सर्वे नंबर 1510, 1506, 1505, 1504, 1503, 1502 सहित अन्य सर्वे नंबरों की दक्षिण दिशा में गहरी खाई होने से शासकीय रास्ता अवरुद्ध हो गया था। इसके कारण रामचंद्र पिता मोडीराम, भंवरलाल पिता बालु, भागूबाई पति/पिता हरिराम, प्यारचंद पिता कजोड़, रामचंद्र पिता कंवरलाल सहित 12 किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने तथा कृषि यंत्रों एवं उपज के परिवहन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

समस्या की जानकारी प्राप्त होते ही राजस्व अमला मौके पर पहुंचा और जेसीबी मशीन की सहायता से गहरी खाई को भरवाकर शासकीय रास्ता पुनः सुगम कराया। रास्ता खुलने से किसानों को अब अपने खेतों तक कृषि यंत्रों की आवाजाही तथा फसल के परिवहन में सुविधा मिल रही है।

राजस्व विभाग की इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के किसानों को बड़ी राहत मिली है। किसानों ने समस्या के शीघ्र समाधान पर जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

इस कार्रवाई में एसडीएम मनासा, तहसीलदार, नायब तहसीलदार मनासा सहित राजस्व अमले की सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका रही।

# ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन में सरपंच निभाएं अग्रणी भूमिका : सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव

### 109 ग्राम पंचायतों के सरपंचों की ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 पर कार्यशाला सम्पन्न

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले की 2,000 से अधिक जनसंख्या वाली 109 ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सचिवों एवं जीआरएस के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बुधवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन में सरपंचों की भूमिका एक लीड फैसिलिटेटर की है। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने सभी सरपंचों को निर्देश दिए कि वे आगामी दिनों में ग्राम पंचायत के पंचों की विशेष बैठक आयोजित कर उन्हें नियमों से अवगत कराएं। साथ ही ग्राम पंचायत क्षेत्र में बल्क वेस्ट जनरेटर के अंतर्गत होटल, ढाबा, अस्पताल, रेस्टोरेंट, औद्योगिक संस्थानों एवं शैक्षणिक संस्थानों का चिन्हांकन कर संबंधित संचालकों को नियमों की जानकारी दें। श्री वैष्णव ने कहा कि ग्राम पंचायतों में उपलब्ध कचरा संग्रहण वाहनों, सेग्रीगेशन शेड एवं कचरा भंडारण कक्षों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करते हुए ग्रामीणों को नियमित स्वच्छता सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्वच्छता कर की ऑनलाइन व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि सभी ग्राम पंचायतें स्वच्छता कर, जल कर एवं प्रकाश कर के प्रभावी संग्रहण एवं क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें।

कार्यशाला में नल-जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के लिए ग्राम पंचायतों को प्रदत्त अधिकारों तथा संबंधित राजपत्र (गजट) के प्रावधानों की भी विस्तार से जानकारी दी गई।

इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने सरपंचों एवं सचिवों से ग्राम पंचायत स्तर पर कर संग्रहण में आ रही समस्याओं पर चर्चा की, उनकी कठिनाइयों को समझा तथा उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया।

कार्यशाला में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, विभिन्न जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा 109 ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं जीआरएस उपस्थित रहे।

## नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का आगाज, साइकिल रैली से दिया नशामुक्ति का संदेश, कलेक्टर-एसपी ने दिखाई हरी झंडी

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन के नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम से जागरूकता साइकिल रैली निकालकर अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार व्यास ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, खिलाड़ी, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में युवा शामिल हुए। साइकिल रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां प्रतिभागियों ने आमजन को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने का संदेश दिया।

पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार व्यास ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार जिले में यह विशेष अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक संचालित किया जाएगा। अभियान के दौरान जिलेभर में जनजागरूकता कार्यक्रम, नशामुक्ति शपथ, विद्यालयों में संवाद कार्यक्रम, नशे के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में जागरूकता गतिविधियां तथा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

एसपी ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसे रोकने के लिए पुलिस के साथ-साथ समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता जरूरी है। अभियान के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया जाएगा और युवाओं को खेल, शिक्षा एवं सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

## 31 जुलाई तक सभी पैक्स समितियों का रिवीजन पूर्ण करें : कलेक्टर मिशा सिंह

**रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह की अध्यक्षता में जिला सहकारी विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सहकारिता, दुग्ध संघ एवं संबंधित विभागों की योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने निर्देश दिए कि जिले की शेष सभी पैक्स प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का रिवीजन 31 जुलाई तक हर हाल में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह कार्य अगले 10 दिनों में गुणवत्ता के साथ पूरा होना चाहिए। सैलाना और बाजना क्षेत्र में दुग्ध सहकारी समितियों के पंजीयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए।

## मनासा पुलिस का बड़ा एक्शनः सूने मकान में हुई चोरी का खुलासा, 4 लाख के आभूषण बरामद, आरोपी गिरफ्तार

**नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों एवं चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मनासा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने नकबजनी के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 4 लाख रुपये मूल्य के चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार फरियादी ने थाना मनासा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 5 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 2 बजे से 3=30 बजे के बीच अज्ञात चोर उसके सूने मकान का ताला तोड़कर करीब 20 हजार रुपये नकद एवं सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। मामले में थाना मनासा में अपराध क्रमांक 348/2026 दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) मनासा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक निलेश अवस्थी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तथा मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम तुफान पिता लालूराम गुर्जर, निवासी टामोटी, थाना कुकड़ेश्वर बताया। प्रारंभ में आरोपी पुलिस को गुमराह करता रहा, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर उसने सूने मकान में चोरी करना स्वीकार कर लिया।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गए करीब चार लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद कर लिए हैं।

**NAME CHANGE**

EARLIER MY NAME WAS **PRAFULL KUMAR SURESHCHANDRA UPADHYAYA** AND NOW MY NAME IS **PRAFULL KUMAR UPADHYAYA.** SO NOW I SHOULD BE KNOWN ONLY BY **PRAFULL KUMAR UPADHYAYA.**

Prafull Kumar Upadhyaya
K 7,MIG Rishi Nagar, Ujjain.

# सम्पादकीय

## अन्याय सरीखा दिखने वाला न्याय

इस उक्ति से सभी परिचित हैं कि न्याय केवल होना ही नहीं, बल्कि दिखना भी चाहिए। दुर्भाग्य है कि अपने देश में न्याय न होते दिखने के उदाहरण बढ़ते चले जा रहे हैं। ताजा उदाहरण है रोंगटे खड़े कर देने वाले श्रद्धा वाकर हत्याकांड के अभियुक्त आफताब अमीन पूनावाला को राहत देने का। यह सनसनीखेज मामला सभी की स्मृति में होगा कि आफताब ने अपनी प्रेमिका और लिव इन पार्टनर श्रद्धा को मुंबई से दिल्ली लाकर मार डाला था। उसने श्रद्धा की हत्या करने के बाद उसके शव के 35 टुकड़े किए। फिर उन्हें काट-काट कर फ्रिज में रखा। इसके बाद एक-एक कर उन्हें जंगल में फेंक दिया।

कई महीनों बाद जब यह मामला उजागर हुआ तो देश सन्न रह गया। यह घटना मई 2022 की है। चूंकि घटना बहुत ही जघन्य थी, इसलिए यह मानकर चला जा रहा था कि इस मामले में न्याय का पहिया द्रुत गति से घूमेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। पिछले दिनों दिल्ली की एक अदालत में आफताब के ट्रायल की सुनवाई इसलिए टाल दी, क्योंकि उसे एमए समाजशास्त्र की परीक्षा देनी है।

पहली नजर में यह लग सकता है कि एक दिन के लिए सुनवाई टलना कोई बड़ी बात नहीं, लेकिन यह इसलिए बड़ी बात है कि जब पिछली तिथि में यह तय हो रहा था कि ट्रायल की शुरुआत 20 जुलाई से होगी, तब उस समय आफताब के वकील ने अदालत को यह नहीं बताया कि इस दिन तो उसे परीक्षा देनी है? यह बात बाद में बताई गई और न्यायाधीश ने उदारता दिखाते हुए सुनवाई टाल दी। यह पहली बार नहीं हुआ। इसके पहले एक बार आफताब के मामले की सुनवाई इसलिए टाली गई थी, क्योंकि उसे डेंटिस्ट को दिखाना था। इसी तरह एक बार सुनवाई इसलिए टली थी, क्योंकि उसे मनोचिकित्सक से मिलना था।

किसी मामले की सुनवाई टालने के लिए रसूखदार अभियुक्त या उसके परिवार वाले और वकील जैसे तौर-तरीके अपनाते हैं, उनसे हर कोई परिचित है। प्रश्न यहां किसी मामले की सुनवाई टल जाने का नहीं, बल्कि इसका है कि क्या किसी हत्याकांड के अभियुक्त को समय रहते दंड देना आवश्यक है अथवा उसकी परीक्षा की चिंता करना? यह सही है कि न्याय का तकाजा यह कहता है कि जब तक कोई दोषी न सिद्ध हो जाए, तब तक उसे निर्दोष माना जाए, लेकिन क्या आफताब जैसे हत्यारे के मामले में भी न्याय के इस सिद्धांत पर उदारता से अमल होगा? यह कोई पहला ऐसा प्रकरण नहीं, जो तारीख पर तारीख के सिलसिले को रेखांकित करता हो। इस तरह के असंख्य मामले हैं। आम तौर पर मामलों की सुनवाई में देरी इसीलिए होती है, क्योंकि अभियुक्त और उनके वकील ऐसे तौर-तरीके अपने में सफल रहते हैं, जिनसे उनके मामले की सुनवाई येन-केन-प्रकारेण टलती रहे।

यह उक्ति भी सभी ने सुनी होगी कि न्याय के समक्ष सभी एक समान हैं, लेकिन दुर्भाग्य से अपने देश में यह भी सच नहीं है और इसका उदाहरण है केरल की कैंसरग्रस्त उस महिला का मामला, जिसने कैंसर की महंगी दवाएं सस्ते में उपलब्ध कराने के लिए केरल हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

इस मामले की सुनवाई 57 बार स्थगित हुई। इसे आठ अलग-अलग न्यायाधीशों के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम रहा और अंततः उक्त महिला की मौत हो गई। गनीमत रही तो यह कि केरल हाई कोर्ट महिला की मौत के बाद भी इस प्रकरण की सुनवाई जारी रखने के लिए तैयार है। बीते दिनों केरल का यह मामला तब चर्चा में आया, जब दवाओं और उपचार तक आसान पहुंच के लिए कार्यरत एक संगठन ने न्यायिक कार्यवाही में हो रही देरी को लेकर केरल हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश समेत सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश और राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा।

यहां हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि किस तरह सुप्रीम कोर्ट ने आतंकी याकूब मेमन के मामले को आधी रात में सुना था और तीस्ता सीतलवाड़ को रात नौ बजे जमानत दी थी। रसूखदार लोगों के ऐसे कुछ और भी उदाहरण रहे हैं, जब उनके मामले को आनन-फानन सुना गया। ऐसा इसलिए भी हुआ, क्योंकि इन मामलों की पैरवी भी प्रभावशाली वकील कर रहे थे।

यह बार-बार सुनने को मिलता है कि जमानत नियम है और जेल अपवाद, लेकिन इस सिद्धांत का भी मनचाहा उपयोग हो रहा है और कई बार संगीन अपराधों में लिप्त अभियुक्तों को भी जमानत दे दी जाती है। पिछले दिनों ही तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में एक नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपित को जमानत दे दी गई। जेल से बाहर आते ही उसने पहले इस नाबालिग लड़की, उसकी मां और नानी को मारा, फिर अपनी पत्नी और दो बच्चों को। बाद में वह भी मरा हुआ पाया गया।

अभी गत दिनों दिल्ली के भीषण दंगों के दौरान आइबी कर्मी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आम आदमी पार्टी के जिस पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दोषी ठहराया गया, उसे सुप्रीम कोर्ट ने विधानसभा चुनाव लड़ने की ही नहीं, प्रचार के लिए भी जेल से बाहर आने की अनुमति दे दी थी। उसे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने अपना उम्मीदवार बनाया था। वह छह दिन तक पुलिस की निगरानी में चुनाव प्रचार करता रहा। ऐसी न्यायिक उदारता न तो न्यायतंत्र का मान बढ़ाती है और न ही न्यायपालिका के प्रति आम आदमी के भरोसे को बल देती है। हर चीज की अति बुरी होती है- वह चाहे न्यायिक सक्रियता हो या फिर न्यायिक उदारता। इस सक्रियता और उदारता के साथ न्यायिक निष्क्रियता कोढ़ में खाज का ही काम कर रही है।

# शहरों की बसाहट के पीछे विलुप्त होती मूल ग्रामीण संस्कृती

विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री जोसेफ स्टिग्लिट्ज़ ने कहा है कि अनियोजित शहरीकरण आर्थिक अवसर तो देता है,लेकिन यदि ग्रामीण क्षेत्रों का संतुलित विकास नहीं किया जाए तो सामाजिक असंतुलन और सांस्कृतिक क्षरण अपरिहार्य हो जाता है।

भारत में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधुनिक सुविधाओं की तलाश में लाखों लोग प्रतिवर्ष गाँवों से शहरों की ओर पलायन करते हैं। यह पलायन केवल जनसंख्या का स्थानांतरण नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों का भी परिवर्तन है। शहरों की भागदौड़, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली में संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, पारंपरिक रीति-रिवाज कमजोर पड़ रहे हैं और लोककलाएँ धीरे-धीरे विलुप्ति की ओर बढ़ रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनेक अवसरों पर कहा है, भारत का विकास तभी संभव है जब गाँवों का विकास होगा। उनकी आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया, स्मार्ट विलेज और वाइब्रेंट विलेज जैसी अवधारणाएँ इसी सोच को आगे बढ़ाती हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों को आधुनिक सुविधाएँ मिलें, लेकिन उनकी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने अपने पूरा मॉडल जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधा उपलब्ध करने की बात कही में स्पष्ट कहा था कि ग्रामीण क्षेत्रों में शहर जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ ताकि लोगों को पलायन के लिए विवश न होना पड़े। उनका विश्वास था कि यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीक गाँवों तक पहुँचेगी, तो भारत का संतुलित विकास संभव होगा।

भारत को सदियों से गाँवों का देश कहा जाता रहा है। गाँव केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति, परंपरा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता की जीवंत प्रयोगशाला रहे हैं। कभी गाँवों की चौपालें संवाद का केंद्र थीं, खेत-खलिहान जीवन का आधार थे, लोकगीत और लोकनृत्य संस्कृति की पहचान थे, और आपसी सहयोग जीवन की सबसे बड़ी पूँजी था। किंतु पिछले कुछ दशकों में तीव्र शहरीकरण, औद्योगीकरण और आर्थिक अवसरों की तलाश ने ग्रामीण संस्कृति की जड़ों को कमजोर कर दिया है। शहरों का लगातार विस्तार गाँवों की जमीन ही नहीं, उनकी आत्मा को भी अपने भीतर समेटता जा रहा है। महात्मा गांधी ने कहा था, भारत की आत्मा उसके गाँवों में बसती है। यह कथन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। यदि गाँव अपनी सांस्कृतिक पहचान खो देंगे, तो भारत की मौलिक पहचान भी धीरे-धीरे धुंधली पड़ जाएगी।

प्रख्यात अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन का मानना है कि किसी भी राष्ट्र का विकास तभी सार्थक है जब वह आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक और सांस्कृतिक विकास को भी समान महत्व दे। केवल शहरों में विकास केंद्रित होने से असमानता बढ़ती है और ग्रामीण समाज अपनी मौलिकता खोने लगता है।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी कहा करते थे कि मजबूत गाँव ही मजबूत भारत की नींव हैं। यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है क्योंकि केवल महानगरों का विकास किसी राष्ट्र को समृद्ध नहीं बना सकता।

ग्रामीण संस्कृति केवल खेती तक सीमित नहीं है। यह लोकभाषाओं, लोकसंगीत, हस्तशिल्प, पारंपरिक कृषि ज्ञान, सामुदायिक जीवन, प्रकृति के प्रति सम्मान और मानवीय संबंधों की संस्कृति है। जब गाँव शहरों में बदलते हैं, तब खेतों की जगह कंक्रीट के जंगल उग आते हैं। तालाब मिट जाते हैं, चौपालें समाप्त हो जाती हैं और बच्चों के खेल मोबाइल स्क्रीन तक सीमित हो जाते हैं। अर्थशास्त्री ई. एफ. शूमाकर ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक स्माल इस ब्यूटीफुल में लिखा था कि विकास का उद्देश्य केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि मनुष्य और समाज को अधिक मानवीय बनाना होना चाहिए। यदि विकास मनुष्य को उसकी संस्कृति और प्रकृति से दूर कर दे, तो वह अधूरा विकास है।

विकास और संस्कृति के बीच संतुलन स्थापित किया जाने की नितांत आवश्यकता है । गाँवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएँ, इंटरनेट, उद्योग, कृषि प्रसंस्करण, कुटीर उद्योग, पर्यटन और रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएँ। साथ ही लोककलाओं, लोकभाषाओं, लोकपर्वों और पारंपरिक ज्ञान को विद्यालयों और सामाजिक जीवन में सम्मानपूर्वक स्थान दिया जाए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-21 भी भारतीय भाषाओं, स्थानीय ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर विशेष बल देती है। यदि शिक्षा अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करेगी, तो नई पीढ़ी आधुनिक भी बनेगी और अपनी सांस्कृतिक पहचान भी नहीं भूलेगी।

आज अनेक गाँव शहरों के विस्तार में समाहित होकर अपनी पहचान खो चुके हैं। वहाँ अब खेतों की जगह कॉलोनियाँ हैं, बैलगाड़ियों की जगह वाहनों की भीड़ है, और लोकगीतों की जगह शोरगुल ने ले ली है। आधुनिकता का विरोध नहीं किया जा सकता, लेकिन आधुनिकता का अर्थ अपनी जड़ों से कट जाना भी नहीं होना चाहिए।

अंततः यह समझना होगा कि शहर किसी राष्ट्र की आर्थिक शक्ति हो सकते हैं, लेकिन गाँव उसकी सांस्कृतिक चेतना हैं। यदि आर्थिक विकास की दौड़ में ग्रामीण संस्कृति समाप्त हो गई, तो आने वाली पीढ़ियाँ आधुनिक तो होंगी, किंतु अपनी पहचान से अनभिज्ञ रह जाएँगी। इसलिए आवश्यक है कि विकास की प्रत्येक योजना में ग्रामीण संस्कृति के संरक्षण को प्राथमिकता दी जाए। शहरों का विस्तार हो, पर गाँवों की आत्मा सुरक्षित रहे। यही संतुलित विकास भारत को आर्थिक रूप से समृद्ध, सांस्कृतिक रूप से सशक्त और मानवीय मूल्यों से परिपूर्ण राष्ट्र बनाएगा। आखिरकार, जिस देश के गाँव जीवित रहते हैं, वही देश अपनी सभ्यता को लंबे समय तक सुरक्षित रख पाता है।

**-संजीव ठाकुर**

# हमारी भाषाएँ मर रही हैं, हम अंग्रेज़ी में उनका श्राद्ध कर रहे हैं

सुप्रीम कोर्ट का हालिया प्रश्न – क्या अंग्रेज़ी को भारत की स्वदेशी भाषा माना जा सकता है?–सिर्फ न्यायालय का सवाल नहीं, भारत की भाषाई चेतना पर दस्तक है। यह बहस अंग्रेज़ी के पक्ष-विपक्ष की नहीं, उस मानसिकता की है जिसने आज़ादी के आठ दशक बाद भी भाषा को आत्मसम्मान नहीं, हैसियत का पैमाना बना रखा है। ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ आई अंग्रेज़ी आज विश्वविद्यालयों, न्यायालयों, प्रशासन, विज्ञान, तकनीक और कॉरपोरेट जगत की प्रमुख भाषा है। करोड़ों भारतीय इसे शिक्षा और रोज़गार का माध्यम बना चुके हैं, इसलिए इसे पूरी तरह विदेशी कहना यथार्थ से मुंह मोड़ना होगा। पर क्या लंबे उपयोग से कोई भाषा स्वदेशी हो जाती है? यदि हाँ, तो स्वदेशी का आधार इतिहास होगा, संस्कृति या सुविधा? सुप्रीम कोर्ट ने भाषा नहीं, भारतीय आत्मविश्वास का प्रश्न उठाया है। वही आत्मविश्वास जिसने कभी संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, हिंदी, बंगाली, मराठी, उड़िया, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, असमिया और सैकड़ों बोलियों के बल पर विश्व को ज्ञान दिया, लेकिन आज अपने ही देश में स्वयं को सिद्ध करने के लिए विदेशी भाषा का सहारा खोजता है।

इस प्रश्न का सबसे बड़ा कटघरा हमारी न्याय व्यवस्था है। संविधान के अनुच्छेद 348 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अधिकांश उच्च न्यायालयों की कार्यवाही व निर्णय आज भी अंग्रेज़ी में होते हैं। विडंबना यह है कि न्याय उसी नागरिक के लिए लिखा जाता है, जो उसकी भाषा नहीं समझता। स्वयं न्यायालय भी मान चुका है कि फैसलों और आदेशों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद आवश्यक है, क्योंकि न्याय तभी सार्थक है, जब वह जनता की भाषा में पहुंचे। फिर भी अदालतों में अंग्रेज़ी का प्रभुत्व निर्विवाद है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ यदि जनता की भाषा से दूर रहेगा, तो न्याय और नागरिक के बीच दूरी बनी रहेगी। क्या केवल वर्षों के प्रयोग से अंग्रेज़ी स्वदेशी हो जाएगी, या न्याय व्यवस्था को भारतीय भाषाओं से जोड़ना ही लोकतांत्रिक सुधार होगा? यह प्रश्न केवल भाषा का नहीं, न्याय तक समान पहुंच का है।

आज का सबसे कठोर सत्य यह है कि अंग्रेज़ी भारत में केवल भाषा नहीं, वर्गीय शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। यही भाषा कुछ के लिए अवसरों का द्वार है, तो लाखों के लिए अदृश्य दीवार। महंगे विद्यालय, आईआईटी, आईआईएम, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और वैश्विक संस्थाएं इसे योग्यता की पहली शर्त मानती हैं। वहीं गांव का प्रतिभाशाली विद्यार्थी, दलित-बहुजन युवा और मातृभाषा में शिक्षित लाखों छात्र क्षमता नहीं, भाषा की बाधा से पीछे छूट जाते हैं। तीन-भाषा नीति पर वर्षों से जारी बहस और दक्षिण भारत का प्रतिरोध इसी भाषाई वर्चस्व की आशंका का संकेत है। यदि अंग्रेज़ी को स्वदेशी मान लेने से यह असमानता और गहरी होती है, तो क्या हम नई गुलामी को ही वैधता नहीं दे रहे? कभी सत्ता तलवार से चलती थी, आज भाषा के प्रमाणपत्र से चलती है।

इतिहास इस बहस का सबसे ईमानदार साक्षी है। 1835 में लॉर्ड मैकॉले ने स्पष्ट लिखा था कि उसका उद्देश्य ऐसे भारतीय तैयार करना है, जो रक्त और रंग से भारतीय, लेकिन विचार, नैतिकता, रुचि और बुद्धि से अंग्रेज़ हों। यह केवल शिक्षा नीति नहीं, मानसिक उपनिवेश की योजना थी। स्वतंत्र भारत ने राजनीतिक आज़ादी तो पा ली, पर भाषाई स्वाधीनता का संघर्ष अधूरा रह गया। समय के साथ अंग्रेज़ी का स्वरूप भी बदला है। आज हिंग्लिश, तम्लिश, बेंग्लिश जैसी मिश्रित भाषाएं बताती हैं कि भारत हर भाषा को अपना रंग दे सकता है। अंग्रेज़ी भी अब भारतीय अनुभवों से समृद्ध है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह बदलाव हमारी 22 अनुसूचित भाषाओं और सैकड़ों बोलियों की कीमत पर हो रहा है? यदि नई पीढ़ी मातृभाषा से पहले अंग्रेज़ी में सोचने लगे, तो यह केवल भाषा का नहीं, सांस्कृतिक स्मृति के क्षरण का संकेत होगा।

दुनिया का अनुभव भारत को स्पष्ट संकेत देता है। जापान ने जापानी, जर्मनी ने जर्मन, फ्रांस ने फ्रांसीसी, चीन ने मंदारिन और इज़राइल ने पुनर्जीवित हिब्रू के बल पर ज्ञान, विज्ञान और राष्ट्रीय पहचान को सशक्त बनाया। इन देशों ने अंग्रेज़ी सीखी, उसका उपयोग किया, लेकिन उसे अपनी पहचान पर हावी नहीं होने दिया। भारत का मार्ग टकराव नहीं, संतुलन का होना चाहिए। नई शिक्षा नीति मातृभाषा आधारित शिक्षा पर बल देती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद, भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावली, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, विधि की पढ़ाई और बहुभाषी डिजिटल ज्ञान-संसाधन बताते हैं कि ज्ञान अब अंग्रेज़ी की कैद में नहीं है। फिर अंग्रेज़ी को स्वदेशी घोषित करने की जल्दबाज़ी क्यों? असली चुनौती अंग्रेज़ी को हटाना नहीं, भारतीय भाषाओं को उस स्तर तक पहुंचाना है, जहाँ किसी विद्यार्थी का भविष्य उसकी भाषा नहीं, प्रतिभा तय करे।

यहीं सुप्रीम कोर्ट का प्रश्न सबसे अधिक दूरदर्शी बन जाता है। यह हिंदी बनाम अंग्रेज़ी, उत्तर बनाम दक्षिण या किसी भाषा की श्रेष्ठता का विवाद नहीं, उस भारत की खोज है जहाँ हर बच्चा मातृभाषा में सोच सके, क्षेत्रीय भाषा से समाज से जुड़े और अंग्रेज़ी के माध्यम से दुनिया से संवाद करे। यही बहुभाषिक भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि अंग्रेज़ी को स्वदेशी कहकर भारतीय भाषाओं की उपेक्षा हुई, तो लोकगीत, लोककथाएं, दर्शन, लोकविज्ञान, क्षेत्रीय साहित्य और हजारों वर्षों की सांस्कृतिक स्मृतियां हाशिए पर चली जाएंगी। लेकिन यदि अंग्रेज़ी वैश्विक अवसरों की भाषा और भारतीय भाषाएं राष्ट्रीय जीवन की आत्मा बनें, तो वे प्रतिद्वंद्वी नहीं, परस्पर सहयोगी होंगी। भाषा का भविष्य प्रतिस्पर्धा नहीं, सह-अस्तित्व सुरक्षित करेगा।

दरअसल, सबसे बड़ा भ्रम यही है कि स्वदेशी का अर्थ केवल उत्पत्ति से है। भारत का इतिहास बताता है कि उसने अनेक संस्कृतियों, विचारों और भाषाओं को अपनाया, पर अपनी आत्मा कभी नहीं खोई। इसलिए न अंग्रेज़ी का विरोध समाधान है, न महिमामंडन। असली प्रश्न यह है कि निर्णय, ज्ञान और आने वाली पीढ़ी के सपनों की भाषा कौन होगी। यदि प्रशासन, न्याय, विज्ञान, चिकित्सा, शोध और तकनीकी शिक्षा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होगी, तो अंग्रेज़ी कभी चुनौती नहीं बनेगी। लेकिन यदि भारतीय भाषाएं घर, कविता और उत्सव तक सिमट गईं, और अंग्रेज़ी सत्ता, ज्ञान व अवसर की भाषा बन गई, तो वही मानसिक असमानता लौटेगी, जिसकी नींव औपनिवेशिक शासन ने रखी थी। गुलामी केवल विदेशी शासन से नहीं आती, वह तब भी आती है, जब कोई समाज अपनी भाषा पर विश्वास खो देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कोई भाषाई निर्णय नहीं दिया, बल्कि भारत के सामने एक मूल प्रश्न रख दिया–क्या भाषा केवल सुविधा का माध्यम होगी या राष्ट्रीय आत्मविश्वास का आधार? अंग्रेज़ी वैश्विक अवसरों का द्वार है, लेकिन भारत की सभ्यता, लोकज्ञान, संवेदना और सांस्कृतिक चेतना भारतीय भाषाओं में ही जीवित हैं। इसलिए न अंग्रेज़ी का विरोध समाधान है, न उसे स्वदेशी मानकर भारतीय भाषाओं का विकल्प बनाना। आवश्यकता ऐसी व्यवस्था की है, जहाँ न्याय जनता की भाषा में मिले, शिक्षा मातृभाषा में विकसित हो, तकनीक हर भारतीय भाषा को समान अवसर दे और अंग्रेज़ी दुनिया से संवाद का सेतु बने, प्रभुत्व का नहीं। अंततः यह बहस अंग्रेज़ी की नहीं, भारत के भाषाई आत्मविश्वास की है। जो राष्ट्र अपनी भाषाओं को सम्मान देता है, वही अपने ज्ञान, संस्कृति और भविष्य को भी सुरक्षित रखता है। भारत की वास्तविक भाषाई स्वतंत्रता अंग्रेज़ी को स्वदेशी सिद्ध करने में नहीं, बल्कि भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय जीवन का स्वाभाविक आधार बनाने में है।

**-प्रो. आरके जैन**

# आध्यात्मिक साधना और शक्ति आराधना का पर्व

आषाढ़ महीने की नवरात्रि, जिसे गुप्त नवरात्रि भी कहा जाता है, हिंदू धर्म में विशेष आध्यात्मिक महत्व रखती है। यह नवरात्रि आषाढ़ शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक मनाई जाती है। इस दौरान मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा के साथ-साथ तंत्र, मंत्र और साधना का विशेष महत्व माना जाता है।

भारतीय संस्कृति में नवरात्रि का विशेष महत्व है। वर्ष में चार नवरात्रियां आती हैं, जिनमें दो चैत्र और शारदीय नवरात्रि सार्वजनिक रूप से मनाई जाती हैं, जबकि माघ और आषाढ़ की नवरात्रियों को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है। आषाढ़ माह की गुप्त नवरात्रि साधना, आत्मशुद्धि और देवी शक्ति की उपासना का अत्यंत पावन अवसर है। यह पर्व विशेष रूप से उन साधकों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है जो आध्यात्मिक उन्नति, तांत्रिक साधना और देवी कृपा की प्राप्ति के इच्छुक होते हैं।

आषाढ़ नवरात्रि की शुरुआत शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है और नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधिपूर्वक पूजा की जाती है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु व्रत रखते हैं, दुर्गा सप्तशती का पाठ करते हैं तथा देवी मंत्रों का जप कर अपने जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हैं।

गुप्त नवरात्रि का महत्व सामान्य नवरात्रियों से कुछ भिन्न है। जहां चैत्र और शारदीय नवरात्रि में सार्वजनिक आयोजन, गरबा, दुर्गा पंडाल और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, वहीं आषाढ़ गुप्त नवरात्रि में पूजा और साधना अधिकतर व्यक्तिगत एवं गोपनीय रूप से की जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस अवधि में की गई साधना शीघ्र फलदायी होती है और साधक को मानसिक शक्ति, आत्मविश्वास तथा आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों–शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धिदात्री–की पूजा की जाती है। प्रत्येक स्वरूप जीवन के किसी न किसी गुण, शक्ति और आध्यात्मिक संदेश का प्रतीक है। इनकी उपासना से मनुष्य के भीतर साहस, संयम, ज्ञान, करुणा और आत्मबल का विकास होता है। आषाढ़ नवरात्रि में कलश स्थापना का विशेष महत्व है। प्रतिपदा के दिन शुभ मुहूर्त में कलश स्थापित कर अखंड दीप जलाया जाता है। भक्त प्रतिदिन देवी की आरती करते हैं, पुष्प अर्पित करते हैं और फलाहार या सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। कई लोग नौ दिनों का कठोर उपवास रखते हैं, जबकि कुछ केवल प्रथम और अंतिम दिन व्रत करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस समय की गई देवी आराधना से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। विद्यार्थियों को विद्या, व्यापारियों को सफलता, गृहस्थों को सुख-समृद्धि और साधकों को आध्यात्मिक सिद्धि प्राप्त होने की मान्यता है। यही कारण है कि देश के अनेक शक्ति पीठों और देवी मंदिरों में इन दिनों विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाता है। आषाढ़ नवरात्रि आत्मचिंतन का भी पर्व है। यह केवल बाहरी पूजा तक सीमित नहीं है।

**-सुनीता कुमारी**

# आस्था, परम्परा, आध्यात्मिक चेतना का विराट उत्सव

आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से प्रारम्भ होकर दस दिनों तक चलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकआस्था, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक दर्शन का विराट उत्सव है। पुरी की यह महायात्रा हजारों वर्षों की परम्परा का जीवंत प्रतीक है, जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं। इसी कारण इसे 'महायात्रा' कहा जाता है। भारत के चार धामों में प्रतिष्ठित श्री जगन्नाथ धाम की यह यात्रा देश ही नहीं, सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बनती है। वर्ष 2026 की रथयात्रा भी अपार श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई जा रही है, किन्तु इस बार इसके साथ एक नया विवाद भी जुड़ गया है। देश एवं विदेश के अनेक स्थानों पर इस्कॉन द्वारा स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग तिथियों पर रथयात्राएं आयोजित किए जाने पर कुछ धार्मिक एवं परम्परावादी संगठनों ने आपत्ति व्यक्त की है। उनका मत है कि जगन्नाथ रथयात्रा की तिथि वही होनी चाहिए जो पुरी श्रीमंदिर द्वारा निर्धारित होती है। दूसरी ओर इस्कॉन का तर्क है कि विदेशों में स्थानीय प्रशासन की अनुमति, सार्वजनिक अवकाश, मौसम तथा अन्य व्यावहारिक कारणों से कभी-कभी तिथि में परिवर्तन आवश्यक हो जाता है। यह विवाद केवल तिथि का नहीं, बल्कि परम्परा और वैश्विक विस्तार के बीच संतुलन खोजने का विषय बन गया है।

वास्तव में यह समझना आवश्यक है कि पुरी की रथयात्रा और अन्य स्थानों पर आयोजित रथयात्राओं का स्वरूप अलग-अलग हो सकता है, किन्तु उनका मूल उद्देश्य भगवान जगन्नाथ की भक्ति, लोककल्याण और धर्मप्रचार ही है। यदि परम्परा का सम्मान बना रहे और श्रद्धा अक्षुण्ण रहे तो मतभेद संवाद के माध्यम से सुलझाए जा सकते हैं। धर्म का मूल स्वरूप जोड़ना है, विभाजन करना नहीं। पुरी का श्रीमंदिर भगवान जगन्नाथ का मुख्य धाम है। लगभग 800 वर्ष पुराने इस मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण जगन्नाथ स्वरूप में अपने बड़े भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा के साथ विराजमान हैं। प्रतिवर्ष केवल एक बार तीनों देव विग्रह अपने गर्भगृह से बाहर निकलकर भक्तों को दर्शन देते हैं। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता है। सामान्य दिनों में जहां भगवान के दर्शन सीमित होते हैं, वहीं रथयात्रा में प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी भेदभाव के भगवान के साक्षात दर्शन कर सकता है।

यात्रा की तैयारियां अक्षय तृतीया से प्रारम्भ हो जाती हैं। उसी दिन भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के तीनों विशाल रथों का निर्माण आरम्भ होता है। प्रत्येक वर्ष नए रथ बनाए जाते हैं। यद्यपि उनका स्वरूप और आकार सदियों से समान रहता है, फिर भी प्रत्येक वर्ष नई लकड़ी, नई सज्जा और नवीन निर्माण किया जाता है। भगवान जगन्नाथ का रथ गरुड़ध्वज (कपिलध्वज), बलभद्र का तालध्वज तथा सुभद्रा का दर्पदलन अथवा पद्मध्वज कहलाता है। इन रथों के निर्माण की प्रक्रिया केवल शिल्पकला नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना मानी जाती है। कारीगर विशेष धार्मिक नियमों का पालन करते हुए इन्हें बनाते हैं। यह परम्परा हमें यह संदेश देती है कि प्रत्येक वर्ष मनुष्य भी अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष, अहंकार और लोभ को त्यागकर स्वयं का नव-निर्माण करे।

रथयात्रा के पीछे अनेक पौराणिक कथाएं भी जुड़ी हैं। कहा जाता है कि एक बार सुभद्रा ने द्वारका नगर देखने की इच्छा व्यक्त की। तब भगवान श्रीकृष्ण और बलराम ने उन्हें अलग रथ पर बैठाकर नगर भ्रमण कराया। उसी स्मृति में तीनों भाई-बहनों की संयुक्त रथयात्रा निकाली जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान की अपूर्ण प्रतिमाओं का निर्माण स्वयं विश्वकर्मा ने किया था, जो आज भी जगन्नाथ संस्कृति की विशिष्ट पहचान है। इस महायात्रा का एक अत्यन्त मार्मिक पक्ष यह भी है कि स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान अस्वस्थ माने जाते हैं और लगभग पन्द्रह दिनों तक सार्वजनिक दर्शन नहीं देते। इसके पश्चात वे रथों पर आरूढ़ होकर अपनी मौसी के घर गुण्डिचा मंदिर जाते हैं। वहां नौ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर बहुड़ा यात्रा के माध्यम से पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। लौटते समय भगवान का पोडा पीठा ग्रहण करना, पंचमी को देवी लक्ष्मी का रुष्ट होकर रथ का पहिया तोड़ना तथा बाद में भगवान द्वारा उन्हें मनाने की परम्परा भक्तिभाव एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण है।

पुरी की रथयात्रा का एक अन्य अद्भुत दृश्य छेरा पहरा है। गजपति महाराज स्वयं स्वर्ण निर्मित झाड़ू से रथों के मार्ग की सफाई करते हैं। यह परम्परा संदेश देती है कि ईश्वर के समक्ष राजा और सामान्य व्यक्ति सभी समान हैं। सत्ता का सर्वोच्च पद भी सेवा से बड़ा नहीं हो सकता। रथयात्रा के समय जगन्नाथ मंदिर का महाप्रसाद भी विशेष आकर्षण का केन्द्र होता है। विश्व की सबसे बड़ी मंदिर रसोइयों में से एक इस रसोई में मिट्टी के पात्रों में प्रसाद बनाया जाता है। दाल, चावल, सब्जियाँ, मालपुआ, गजामूंग, लाई, नारियल तथा अनेक प्रकार के व्यंजन अत्यंत अल्प मूल्य पर श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराए जाते हैं। यह प्रसाद केवल भोजन नहीं, बल्कि समानता और साझेदारी का प्रतीक है।

धार्मिक ग्रन्थों में रथयात्रा का अत्यन्त महत्व बताया गया है। स्कन्द पुराण, ब्रह्म पुराण, पद्म पुराण तथा उत्कल खण्ड में भगवान जगन्नाथ की महिमा का विस्तार से वर्णन मिलता है। मान्यता है कि रथयात्रा के दर्शन एवं रथ को स्पर्श करने से अनेक जन्मों के पाप नष्ट होते हैं तथा रथ खींचने वाले को मोक्ष का अधिकारी माना गया है। यद्यपि इन मान्यताओं का आध्यात्मिक अर्थ यह है कि जो व्यक्ति अपने जीवन-रथ को धर्म, सेवा और सदाचार के मार्ग पर चलाता है, वही वास्तविक मुक्ति प्राप्त करता है। जगन्नाथ रथयात्रा की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। इस अवसर पर जाति, वर्ग, भाषा, क्षेत्र अथवा सम्प्रदाय का कोई भेद नहीं रहता। लाखों श्रद्धालु एक साथ रथ की रस्सी खींचते हैं। यही वह क्षण होता है जब धर्म केवल पूजा-पद्धति न रहकर सामाजिक एकता का उत्सव बन जाता है।

आज यह यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं रही। भारत के लगभग सभी प्रमुख नगरों सहित अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और अनेक यूरोपीय देशों में भी जगन्नाथ रथयात्रा आयोजित होती है। विशेष रूप से इस्कॉन ने इस परम्परा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। करोड़ों विदेशी भक्तों ने इसी माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण एवं जगन्नाथ संस्कृति को जाना है। इसलिए यदि कहीं तिथियों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन भी किए जाएँ तो उनके पीछे धार्मिक अवमानना नहीं, बल्कि स्थानीय व्यवस्थाओं की विवशता भी हो सकती है। फिर भी यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि जहाँ तक सम्भव हो, श्रीमंदिर की परम्परा और निर्धारित तिथि का सम्मान किया जाए, ताकि सम्पूर्ण विश्व में एकात्मता का संदेश और अधिक सुदृढ़ हो।

दार्शनिक दृष्टि से रथ मनुष्य के शरीर का, भगवान आत्मा का तथा रथ को खींचने वाली रस्सियाँ समाज और लोकशक्ति का प्रतीक हैं। आत्मा तभी सार्थक होती है जब समाज सहयोग करे और समाज तभी श्रेष्ठ बनता है जब उसके केन्द्र में ईश्वर, नैतिकता और आत्मशुद्धि का भाव हो।

**-ललित गर्ग**

# बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुसंस्कृत परिवार का सहज मार्ग

परम पूज्य सहजयोग प्रवर्तिका श्री माताजी निर्मला देवी जी ने सदैव इस बात पर बल दिया कि एक आदर्श समाज का निर्माण सुसंस्कृत परिवारों से होता है और सुसंस्कृत परिवारों की नींव बच्चों के आध्यात्मिक एवं नैतिक विकास पर आधारित होती है। सहजयोग के अनुसार, बचपन से ही बच्चों को परमात्मा के प्रति श्रद्धा, धर्म के नियमों का पालन, बड़ों का सम्मान, सत्य, प्रेम, करुणा और नैतिक मूल्यों का अभ्यास सिखाया जाना चाहिए। घर का वातावरण प्रेम, सौहार्द, अनुशासन और ईश्वरीय चेतना से परिपूर्ण हो, जहाँ दिन की शुरुआत परमात्मा को नमन से हो, परिवार के सदस्य एक-दूसरे के प्रति सम्मान और स्नेह का व्यवहार करें तथा नियमित पूजा, आरती और सहजयोग ध्यान के माध्यम से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो। ऐसा वातावरण बच्चों में आत्मविश्वास, संतुलन, विनम्रता, विवेक और आत्मिक जागरूकता का सहज विकास करता है।

श्री माताजी ने बताया कि सहजयोग ध्यान आत्मसाक्षात्कार का सहज एवं निःशुल्क मार्ग है, जिसके माध्यम से मनुष्य अपने भीतर स्थित दिव्य शक्ति का अनुभव करता है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात बच्चों और युवाओं में एकाग्रता, मानसिक शांति, सकारात्मक सोच, नैतिक दृढ़ता तथा संस्कारित जीवन मूल्यों का स्वाभाविक विकास होने लगता है। जब परिवार के सभी सदस्य सहजयोग का नियमित अभ्यास करते हैं, तब घर में प्रेम, आनंद, आपसी विश्वास और आध्यात्मिक उन्नति का वातावरण विकसित होता है, जो केवल परिवार ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला बनता है। सहजयोग का संदेश है कि प्रत्येक बालक अपने भीतर दिव्यता का बीज लेकर जन्म लेता है; आवश्यकता केवल उस दिव्यता को जागृत करने की है, ताकि वह एक जिम्मेदार, संवेदनशील, धर्मनिष्ठ और विश्वकल्याण की भावना से प्रेरित नागरिक बन सके।

# नहीं सुधर रही सांदीपनि विद्यालय की वाहन व्यवस्था

**ठूंस-ठूंसकर बसों में बैठाए जहा रहे विद्यार्थी, दो सप्ताह में भी विभाग नहीं जुटा पाया पर्याप्त व्यवस्था**

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** दूर-दूर से सांदीपनि विद्यालय में पढ़ने आने वाले बच्चों के लिए शिक्षा विभाग वाहन व्यवस्था सुचारू नहीं करवा पा रहा है। बस की कमी होने के कारण बच्चों को विद्यालय के वाहनों में ही ठूंस-ठूंसकर बैठाया जा रहा है। बुधवार को भी कुछ बच्चों को सीट मिली तो अधिकतर विद्यार्थी गर्मी में परेशान होते हुए विद्यालय पहुंचे।

गत दिनों भी बसों की व्यवस्था को लेकर आक्रोशित परिजनों ने चक्काजाम का प्रयास किया था। तब भी अधिकारियों ने आश्वासन दिया था कि जल्द ही बसों की व्यवस्था की जाएगी। लेकिन उस बात को आज दो सप्ताह बीत चुके हैं लेकिन शिक्षा विभाग सांदीपनि विद्यालयों की वाहन व्यवस्था में सुधार नहीं कर पाया है। नतीजन आज भी विद्यार्थियों को परेशानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। बुधवार को भी बच्चों को वाहनों में बमुश्किल बैठाया गया। एक तरफ गर्मी और दूसरी तरह भीड़ में फंसने से बच्चों का स्कूल पहुंचने तक बुरा हाल हो गया। गनीमत रही कि किसी बच्चे की तबियत नहीं बिगड़ी। क्योंकि वर्तमान में बारिश न होने से गर्मी एक बार फिर पैर पसारने लगी है। ऐसे में बच्चों की तबियत बिगड़ने की ज्यादा आशंका रहती है।

दो सप्ताह बाद भी हालात जस के तस- ग्रामीणों द्वारा 3 जुलाई को चक्काजाम करने के बाद पहुंचे अधिकरियों ने अभिभावकों को समझाईश देकर चक्काजाम खुलवाया था और आश्वस्त किया था कि एक सप्ताह में बसों की कमी दूर कर दी जाएगी। लेकिन आज करीब दो सप्ताह बीत चुके हैं लेकिन अब भी शिक्षा विभाग द्वारा केवल 13 से 14 बसें ही संचालित कर पा रहा है। जबकि आवश्यकता इससे अधिक की है। नगरीय क्षेत्र में बस दो फेरे लगा रही है। जो अपर्याप्त है। हालांकि अधिकारियों द्वारा इसके लिए डिमांड भेजी गई है जिन्होंने 29 बसों की मांग की है जो अब तक स्वीकृत नहीं हुई है। जिसके अभाव में विद्यालय पहुंचने में बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

18 स्कूलों को किया मर्ज, 2400 हो गई संख्या- सांदीपनि विद्यालय में शाजापुर और इसके आसपास के दो-तीन किमी की दूरी के गांव के मिलाकर कुल 18 शासकीय विद्यालयों को मर्ज किया गया है। ऐसे में सांदीपनि विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या करीब 2400 तक पहुंच गई है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि 18 स्कूल जिन्हें मर्ज किया गया है उसमें से कई विद्यालय में बच्चों की संख्या 10-15 तक भी थी। हालांकि बच्चों की संख्या ज्यादा होने के कारण विद्यालय में बसों की व्यवस्था करने में परेशानी आ रही है।

इनका कहना है- जल्द से जल्द बसों की व्यवस्था हो इसके लिए हमने यहां से फाईल कंपलिट कर कमिश्नर साहब के यहां भेज दी है। वहां से फाईल फाइनेंस डिपार्टमेंट को जाएगी जहां से स्वीकृति मिलना है। अभी 14 बसों का संचालन किया जा रहा है और हमने 17 बसों की और मांग की है। गुरूवार को यहां से हमारे यहां से अधिकारियों का दल भी भेजा जाएगा जो वरिष्ठों से चर्चा करेगा ताकि समस्या का जल्द से जल्द समाधान हो।

**- दीपा किर, जिला शिक्षा अधिकारी-शाजापुर**

मेरी जानकारी में यह मामला है। मैं खुद भोपाल में बसों की संख्या 29 करने की मांग करके आया हूं। जल्द ही इसकी अनुमति मिल जाएगी और बच्चों की परेशानी का समाधान हो जाएगा।

**- अरूण भीमावद, विधायक-शाजापुर**

## मो.बड़ोदिया पुलिस ने 16 घंटे में सकुशल ढूंढ निकाली नाबालिग युवती

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मोहन बड़ोदिया पुलिस ने एक नाबालिग युवती को युवक के कब्जे से बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस को यह सफलता केवल 16 घंटे में मिली। पुलिस ने युवती को अपने साथ बहला-फुसलाकर ले जाने वाले युवक को हिरासत में लिया है जिससे पूछताछ की जा रही है। उसी के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार 14 जुलाई को फरियादी ने मोहन बड़ोदिया पुलिस को सूचना दी कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है तथा वापस नहीं लौटी है। फरियादी ने अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अपनी बेटी को ले जाने की भी आशंका जताई थी। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर उसे गंभीरता से लिया और एसपी प्रियंका शुक्ला, एएसपी घनश्याम मालवीय एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) शाजापुर अजय कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में टीआई अरविंदसिंह तोमर के नेतृत्व में तत्काल विशेष पुलिस टीम गठित कर नाबालिग की तलाश शुरू कर दी। जिसने आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही तकनीकी साक्ष्य जुटाए ओर मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया। परिणाम स्वरूप 15 जुलाई को युवती ग्राम भाटाहेड़ी मार्ग स्थित जंगल से नाबालिग अपहृता को बीरागांव निवासी संदीप पिता लखन सिंह के कब्जे से बरामद कर लिया। फिलहाल पुलिस द्वारा पीड़िता के बयान लिए जा रहे हैं। साथ ही आरोपी संदीप से भी पूछताछ की जा रही है। जिसके आधार पर पुलिस द्वारा आगामी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में टीआई अरविंदसिंह तोमर, सहायक उप निरीक्षक लाखनसिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक मोहम्मद शरीफ, प्रधान आरक्षक हेमेन्द्र जादौन, आरक्षक शैलेन्द्र शर्मा, आरक्षक शैलेन्द्र गुर्जर, आरक्षक शिवचरण दांगी, आरक्षक अनिल सेन, आरक्षक अर्जुनसिंह बागड़ी, महिला आरक्षक कीर्ति मंडोत तथा साइबर प्रभारी प्रधान आरक्षक विकास तिवारी एवं उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## ढाबा संचालक और रसोइए को न्यायालय ने सुनाई उम्र कैद की सजा

जितेंद्र सौराष्ट्रीय आरोपी | राजेश सौराष्ट्रीय आरोपी

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नगर के समीप स्थित दोस्ताना ढाबा पर हुए हत्याकांड के मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए दो लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनो आरोपियों के खिलाफ न्यायालय द्वारा दो-दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। गौरतलब है मंगलाज निवासी सुनील पाटीदार 21 दिसंबर 2023 को इंदौर नौकरी के इंटरव्यू के लिए निकला था। जो वापस नहीं लौटा था। परिजनों ने जब गूगल मैप से सुनील की मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की तो वह बायपास के पास मिली। 24 दिसंबर को परिजनों ने संदेह होने पर दोस्ताना ढाबा खोलकर देखा तो अंदर बोरी में सुनील की लाश मिली। अतिरिक्त जिला लोक अभियोजन अधिकारी रमेश सोलंकी ने बताया कि हत्या के अलावा दोनों आरोपियों को सबूत मिटाने का भी दोषी पाया गया। इसके लिए उन्हें आईपीसी की धारा 201 के तहत तीन-तीन साल की जेल और एक-एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा अलग से भुगतनी होगी। जांच के दौरान तत्कालीन थाना प्रभारी ब्रजेश मिश्रा ने ढाबा संचालक राजेश को गिरफ्तार किया था। राजेश के मोबाइल की साइबर जांच कराने पर 21 दिसंबर 2023 की रात का एक वीडियो मिला। इस वीडियो में मृतक सुनील पाटीदार ढाबे पर जीवित हालत में कुर्सी पर बैठा दिखाई दे रहा था। अदालत में अभियोजन पक्ष ने 'लास्ट सीन थ्योरी', मोबाइल टावर लोकेशन और साइबर फोरेंसिक रिपोर्ट जैसे पुख्ता वैज्ञानिक सबूत पेश किए। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रतीक श्रीवास्तव के अनुसार कोर्ट ने इन सभी सबूतों को विश्वसनीय मानते हुए दोनों आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई।

## संत रविदास स्वरोजगार योजना बनी वरदानः गृहणी से सफल उद्यमी बनीं श्रीमती खुशबू चौहान

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्य प्रदेश सरकार द्वारा संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना जिले के बेरोजगार युवाओं और महिलाओं के लिए आत्मनिर्भरता का नया मार्ग प्रशस्त कर रही है। इस योजना का लाभ उठाकर हितग्राही न केवल स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। ऐसा ही एक प्रेरक उदाहरण श्रीमती खुशबू सतीश चौहान ने पेश किया है, जो कभी गृहणी थीं और आज एक सफल उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। यह योजना बेरोजगारों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिससे वे अपने आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनने की नई इबारत लिख रहे हैं। इस योजना के माध्यम से अपना व्यवसाय एवं उद्योग प्रारंभ होने पर वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद भी दे रहे हैं।

हितग्राही श्रीमती खुशबू चौहान ने बताया कि वे शिक्षित होने के बावजूद घर की जिम्मेदारियों तक सीमित थीं। वे हमेशा से अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहती थीं, लेकिन वित्तीय संसाधनों की कमी के कारण उन्हें सही अवसर नहीं मिल पा रहा था। इसी दौरान उन्हें जिला अंत्यावसायी विभाग के माध्यम से संचालित संत रविदास स्वरोजगार योजना की जानकारी मिली। योजना से प्रेरित होकर उन्होंने विभाग से संपर्क किया और अधिकारियों के मार्गदर्शन में आर.ओ. चिल्ड वाटर स्थापित करने के लिए एमपी ऑनलाइन के माध्यम से आवेदन किया।

बैंक से मिला 7.25 लाख का सहयोग- हितग्राही श्रीमती खुशबू चौहान ने बताया कि विभाग द्वारा उनके आवेदन को त्वरित कार्रवाई करते हुए भारतीय स्टेट बैंक शाखा मोती बंगला, देवास को भेजा गया। बैंक द्वारा परियोजना की व्यवहार्यता को देखते हुए 7 लाख 25 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत कर राशि प्रदान की गई। शासन के जिला अंत्यावसायी विभाग और बैंक के सहयोग से उन्होंने जेतपुरा में देवकृपा आर.ओ. चिल्ड वाटर प्लांट का व्यवसाय सफलतापूर्वक स्थापित किया है। आज यह प्लांट बहुत अच्छे से संचालित हो रहा है। श्रीमती खुशबू चौहान ने बताया कि इस व्यवसाय से उन्हें तमाम खर्च निकालने के बाद प्रतिमाह लगभग 40 हजार रुपये की शुद्ध बचत हो रही है। इस आय से वे अपने परिवार का भरण-पोषण बेहद अच्छे ढंग से कर रही हैं।

## नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत जागरूगता रैली और मानव श्रृंखला बना कर दिया जागरूता का संदेश

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री कृष्णाजी राव पवार शासकीय विज्ञान महाविद्यालय देवास में ष्नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय की आई क्यू ए सी एवं प्राचार्य डॉ आर एस अनारे के मार्गदर्शन में के पी कालेज एवं विज्ञान महाविद्यालय देवास की एन सी सी इकाइयों एवं नाहर दरवाजा पुलिस थाना के सहयोग से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। एन सी सी अधिकारी कैप्टन संजय गाडगे द्वारा कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को नशे की लत, नशे के दुष्परिणाम एवं इससे बचने के उपायों के विषय में जानकारी प्रदान की महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रतन सिंह अनारे द्वारा विद्यार्थियों को शपथ दिलाई गई। पुलिस थाना नाहर दरवाजा टी आई आलोक सोनी द्वारा अपने संबोधन में विभिन्न प्रकार के ड्रग एडिक्शन एवं उनसे बचने के विषय में जानकारी दी गई। महाविद्यालय के एन सी सी कैडेट्स अन्य विद्यार्थियों एवं स्टाफ सदस्यों द्वारा शहर के विभिन्न मार्गो पर नशामुक्ति रैली आयोजित की। साथ ही कैडेट्स द्वारा विभिन्न स्थानों पर नशामुक्ति संदेश पंपलेट्स का वितरण भी किया गया। रैली का समापन के पी कॉलेज में हुआ। इस जागरूकता कार्यक्रम में डॉ बी एस जाधव,डॉ आर के मराठा,डॉ सीमा सोनी, डॉ विद्या माहेश्वरी, डॉ जरीना ,डॉ सत्यम सोनी, नीरज जैन, डॉ भारती कियावत, डॉ रश्मि ठाकुर,डॉ प्रतिमा रायकवार, डॉ दीप्ति धवले, ,प्रो संदीप सिंह नागर डॉ अरुण कुशवंशी इत्यादि प्राध्यापकों, एन सी सी कैडेट के साथ भरी संख्या में महाविद्यालय के छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम आयोजन में विशेष सहयोग प्रो राकेश कोटिया,जितेंद्र सिंह राजपूत इको क्लब एवं पर्यटन क्लब प्रभारी ने किया। कार्यक्रम का संचालन कैप्टन डॉ संजय गाडगे द्वारा किया गया आभार कैप्टन डॉ संजय सिंह बरौनिया ने माना।

## दुकानों, ढाबों और मकानों के सामने कचरा मिलने पर लगाये स्पॉट फाइन - कलेक्टर

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में समय-सीमा संबंधी लंबित पत्रों के निराकरण की प्रगति तथा अंतरविभागीय समन्वय से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर श्री शोभाराम सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती विशाखा देशमुख, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अंशु जावला, एसीईओ जिला पंचायत श्री एसएस सिंह सहित अन्य विभागों के जिला अधिकारीगण उपस्थित थे। समय-सीमा बैठक में विकासखण्ड स्तरीय अधिकारी वर्चुअली शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत जिले में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन कार्ययोजना की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने निकायवार कचरा कलेक्शन की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में विकासखंडवार तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता मानकों का कड़ाई से पालन हो और कचरा प्रबंधन कार्ययोजना को समय-सीमा में धरातल पर उतारा जाए। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत के अधिकारियों द्वारा फ्लो-चार्ट के माध्यम से ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की पूरी कार्ययोजना जानकारी दी गई। नगरीय निकायों द्वारा गीला-सूखा कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट और %रिड्यूस, रीयूज, रीसायकल% (आरआरआर) सेंटर्स की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई।

कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कचरा कलेक्शन प्रणाली निर्मित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों की तर्ज पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी एक सुदृढ़ कचरा कलेक्शन और प्रबंधन प्रणाली निर्मित की जाए, जिन पंचायतों में कचरा वाहन उपलब्ध हैं, वहां कल से ही अनिवार्य रूप से कलेक्शन का कार्य शुरू कर दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग करने के लिए दो से तीन ग्राम पंचायतों के बीच एक कचरा गाड़ी चलाई जाये। किस दिन गाड़ी किस पंचायत में जाएगी, इसके लिए वाहनों की पंचायतों के साथ मैपिंग कर एक निश्चित रूट और दिन तय किया जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिन पंचायतों में वर्तमान में कचरा डंप करने के लिए निर्धारित जगह नहीं है, वहां तत्काल भूमि का चिन्हांकन किया जाए। इन स्थानों का उपयोग कचरे के सेग्रीगेशन के लिए होगा। उन्होंने कहा कि गीला, सूखा प्लास्टिक और नॉन-प्लास्टिक कचरे को भी पूरी तरह पृथक करने की व्यवस्था की जाए। मॉनिटरिंग के लिए जिला पंचायत और विकासखंड स्तर पर नोडल अधिकारी बनाये जाये।

## घर में घुसकर नाबालिग से की छेड़छाड़, शोर मचाने पर भागा आरोपी

**पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच**

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** लालघाटी थाना क्षेत्र में नाबालिग से घर में घुसकर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि पीड़िता (14) ने अपने माता-पिता के साथ थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता कक्षा 9वीं की छात्रा है।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 11 जून की शाम करीब 5 बजे जब वह फोटोकापी कराने जा रही थी। उस समय मोहल्ले के एक युवक ने उसका रास्ता रोका। आरोपी ने उससे दोस्ती करने और बात करने का दबाव बनाया। पीड़िता के अनुसार मना करने पर आरोपी ने उसे और उसके माता-पिता को जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण पीड़िता ने उस समय यह बात घर में किसी को नहीं बताई। पीड़िता ने अपनी शिकायत में आगे बताया कि 13 जुलाई की सुबह करीब 4.30 बजे जब वह परिवार के साथ घर में सो रही थी तब भी उसे किसी के छूने का एहसास हुआ। जागने पर उसने देखा कि वही युवक उसके कमरे में मौजूद था और गलत इरादे से उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा था। पीड़िता के शोर मचाने पर परिवार के अन्य सदस्य जाग गए। उन्होंने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह अपनी टी-शर्ट छोड़कर मौके से फरार हो गया।

घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पीड़िता की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी फरमान के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

## आज जगत को दर्शन देने निकलेंगे भगवान जगन्नाथ

**शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड।** भावसार समाज द्वारा गुरूवार को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भगवान जगन्नाथ की यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। जो प्रातः 8.30 बजे भावसार धर्मशाला से प्रारंभ होगी। जहां से भगवान जगन्नाथ रथ में सवार होकर अपने भक्तों को दर्शन देने निकलेंगे।

जगन्नाथ मंदिर समिति संयोजक रामचंद्र (मुन्ना) भावसार ने बताया कि भावसार समाज द्वारा भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा निकाली जा रही है। जिसकी शुरूआत भावसार धर्मशाला स्थित हिंगलाज मंदिर से प्रातः 8.30 बजे होगी। जो कंस चैराहा, सोमवारिया बाजार, श्रीराम मार्केट, आजाद चैक, छोटा चैक, किलारोड, धानमंडी, महूपुरा रपट होती हुई मुरादपुरा रोड डासी स्थित जगन्नाथ मंदिर पर दोपहर 12 बजे पहुंचेगी। जहां महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ यात्रा का समापन होगा। इस यात्रा को समाजजन सहित नगरवासी अपने हाथों से खिंचने का सौभाग्य पाएंगे। श्री जगन्नाथ यात्रा प्रभारी पंकज भवसार, सह प्रभारी दीपक भावसार, आयुष भावसार, नवयुवक मंडल अध्यक्ष विकास (लाला) भावसार, भावसार समाज अध्यक्ष तुलसीराम भावसार ने सभी सनातन प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में आकर धर्म का लाभ लेने की अपील की है।

## भारतीय किसान यूनियन सूर्यवंशी संगठन का स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से सम्पन्न

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय किसान यूनियन सूर्यवंशी संगठन का स्थापना दिवस समारोह राष्ट्रीय अध्यक्ष सपना भरोसिया की गरिमामयी उपस्थिति में श्रद्धा, उत्साह और संगठनात्मक एकता के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माटी पूजन एवं भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ।

इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों, किसान भाइयों एवं सैनिक भाइयों ने राष्ट्रहित, किसान हित तथा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान संगठन का विस्तार करते हुए कई महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की गई। मनोज यादव को प्रदेश अध्यक्ष, निशा पंडित को जिला प्रमुख, निक्की निगम को तहसील अध्यक्ष तथा संगीता सांगवी को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। इसके अलावा झाबुआ जिले के जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष सपना भरोसिया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन किसानों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी पदाधिकारी संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मनोज यादव प्रदेश अध्यक्ष ,पप्पू भाई झाबुआ जिला अध्यक्ष, यतीश गहलोत झाबुआ जिला उपाध्यक्ष, सोनू सोलंकी पेटलावद तहसील अध्यक्ष, ईश्वर भाई थांदला तहसील अध्यक्ष, हीरामणि शर्मा, संगीता लोधी, उज्जवला व्यास, हर्षा तिवारी, माधुरी जाधव,चेतन जैन जिला अध्यक्ष ,संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, किसान, सैनिक भाई तथा महिला एवं पुरुष सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने संगठन की एकता और किसान हित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। समारोह के समापन पर सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों के लिए सामूहिक भंडारे का आयोजन किया गया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण भी किया गया। इसी के साथ भारतीय किसान यूनियन सूर्यवंशी संगठन का स्थापना दिवस समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

## मध्य प्रदेश अंडर-11 राज्य स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप 18-19 जुलाई को देवास में

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** देवास जिला शतरंज एसोसिएशन द्वारा एम.पी. चेस एड-हॉक कमेटी के तत्वावधान में मध्य प्रदेश अंडर-11 राज्य स्तरीय शतरंज चैंपियनशिप-2026 (ओपन एवं गर्ल्स) का आयोजन 18 एवं 19 जुलाई 2026 को किंडर हायर सेकेंडरी स्कूल, जेल रोड, मीठा तालाब रोड, वृद्धा आश्रम के पास, आदर्श नगर, देवास में किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष ने बताया कि यह प्रतियोगिता मध्य प्रदेश के अंडर-11 आयु वर्ग के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन मध्य प्रदेश टीम के लिए किया जाएगा। चयनित बालक एवं बालिका टीम आगामी राष्ट्रीय अंडर-11 शतरंज चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2 अगस्त से 8 अगस्त 2026 तक उर्वा , उरवा इनडोर स्टेडियम मैंगलोर कर्नाटक में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में देवास जिले के खिलाड़ियों के लिए प्रवेश शुल्क 400 तथा मध्य प्रदेश के अन्य जिलों के खिलाड़ियों के लिए 700 निर्धारित किया गया है। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 24,000 है तथा सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

## दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर राहवीर योजना' अंतर्गत मिलेंगे 25 हजार रूपये

**देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** राहवीर योजना अन्तर्गत दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। योजना के तहत सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त पीड़ित किसी व्यक्ति को यदि कोई व्यक्ति अस्पताल तक पहुंचाता है तो उसे पुलिस द्वारा अनावश्यक पूछताछ नहीं की जायेगी।

शासन की राहवीर योजना अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति जिसने किसी मोटर वाहन से जुड़ी गम्भीर दुर्घटना के पीड़ित को तत्काल सहायता प्रदान करके दुर्घटना के स्वर्णिम समय (तश्रद्यस्रद्गठ्ठ द्धश्रह्वह्) के भीतर चिकित्सा सहायता प्रदान करके तथा दुर्घटना के स्वर्णिम समय के भीतर उपचार प्रदान करने के लिये अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई हो वह इस योजना के लिये पात्र होगा। मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार गोल्डन ऑवर'' का अर्थ है किसी दर्दनाक चोट के बाद एक घंटे तक चलने वाली वह अवधि, जिसके दौरान तत्काल चिकित्सा देखभाल प्रदान करके मृत्यु को रोकने की सबसे अधिक संभावना होती है। ऐसी दुर्घटना को गम्भीर दुर्घटना माना जायेगा। जिसमें पीड़ित की प्रमुख सर्जरी हो, पीड़ित कम से कम 3 दिवस तक अस्पताल में भर्ती हो। मस्तिष्क की गम्भीर चोट, रीढ़ की हड्डी की चोंटे, उपचार के दौरान पीड़ित की मृत्यु यदि एक राहवीर मोटर वाहन से जुड़ी एक गंभीर दुर्घटना के लिये एक या एक से अधिक पीड़ितों की जान बचाता है, तो राहवीर योजना के अन्तर्गत सरकार द्वारा पुरस्कार राशि 25 हजार रुपए दी जायेगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि तथा समय पर दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को उपचार नहीं मिलने के कारण दुर्घटना से होने वाली मृत्यु दर में उत्तरोत्तर वृद्धि देखने को मिल रही है। प्रायः यह देखने में आता है कि किसी भी मार्ग पर दुर्घटना होने पर दुर्घटना के उपरान्त उस मार्ग से निकलने वाले राहगीर कई बार रूककर मदद तो करते हैं किन्तु दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को खुद अस्पताल तक पहुंचाने में यह सोचकर संकोच करते हैं कि कहीं पुलिस केस में उनका नाम दर्ज होने पर उन्हें अनावश्यक पुलिस थाने अथवा न्यायालय के चक्कर लगाने पड़ेंगे।

# सांदीपनि विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का शुभारंभ

## गुरु केवल किताबी ज्ञान नहीं, जीवन जीने की कला सिखाता है-बामनिया

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन, लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देशानुसार इस वर्ष गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर विद्यालयों में विशेष आयोजनों की श्रृंखला शुरू हुई है। इसके अंतर्गत 15 जुलाई से 29 जुलाई तक गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा मनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। इसी तारतम्य में बुधवार (15 जुलाई) को स्थानीय सांदीपनि विद्यालय बदनावर में गुरु पूर्णिमा पखवाड़े का भव्य शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवागत सहायक संचालक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोपाल बामनिया थे। उन्होंने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन एवं राष्ट्रगीत गान के साथ पखवाड़े का विधिवत शुभारंभ किया। समारोह की अध्यक्षता संस्था प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख ने की। शुभारंभ अवसर पर विद्यालय की छात्राओं द्वारा गुरु की महिमा को प्रकट करता हुआ बेहद मनमोहक और भक्तिमय गुरु वंदना नृत्य गीत प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित सभी जनों ने खूब सराहा। छात्र-छात्राओं द्वारा सुव्यवस्थित प्रार्थना सभा का आयोजन भी किया गया।

गुरु केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बांटता, वरन वह हमें जीवन जीने की कला और सही मार्ग दिखाता है। इसलिए अपने जीवन में गुरुजनों और माता-पिता का सदैव आदर व सम्मान करें। यदि जीवन में सफलता के शिखर पर पहुंचना है, तो आज से ही अपना एक निश्चित लक्ष्य बनाकर चलें और अध्ययन में निरंतरता रखें। कठिन परिश्रम और नियमित अध्ययन ही सफलता की असली कुंजी है। उक्त कथन मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विकासखंड शिक्षा अधिकारी गोपाल बामनिया ने कहा।

पखवाड़े के तहत 15 जुलाई से 29 जुलाई तक विद्यालय में प्रतिदिन विभिन्न रचनात्मक एवं खेलकूद गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें श्रेष्ठ विद्यालयों का भ्रमण, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिताएं, करियर मार्गदर्शन सत्र, खेलकूद गतिविधियां और योगाभ्यास, ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिताएं, इस 15 दिवसीय पखवाड़े का भव्य समापन आगामी 29 जुलाई को माननीय प्रभारी मंत्री महोदय या स्थानीय जनप्रतिनिधियों के मुख्य आतिथ्य में संपन्न होगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत संस्था प्राचार्य रियाजुद्दीन शेख, वैभव चौरडिया, जगदीश चंद्र सोलंकी (लेखापाल), नरेंद्र चौहान, प्रदीप पांडेय, श्रीमती अनीता राठौर और जितेंद्र रावल ने किया। स्वागत उद्बोधन वैभव चौरड़िया ने दिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन गतिविधि प्रभारी व व्याख्याता प्रदीप पांडेय ने किया एवं अंत में आभार प्रदर्शन उच्च माध्यमिक शिक्षक महेश चौहान ने माना। सामूहिक राष्ट्रगान की प्रस्तुति के साथ गरिमामय समारोह का समापन हुआ।

# अभाविप का करियर गाइडेंस कार्यक्रम संपन्न

## न्यायाधीश, सीए, डॉक्टर और पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को सिखाए सफलता के मंत्र

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई बदनावर द्वारा राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य %करियर गाइडेंस% कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष सत्र में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती और स्वामी विवेकानंद के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

समारोह में विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों से करियर निर्माण, व्यक्तित्व विकास, कानून, स्वास्थ्य और नैतिक जीवन मूल्यों पर अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला एवं सत्र न्यायाधीश जी.सी. मिश्रा ने विद्यार्थियों को देश के संविधान, न्याय व्यवस्था और नैतिक मूल्यों की महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि ÷सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। जीवन में सफलता का असली आधार केवल कड़ा अनुशासन, ईमानदारी और निरंतर किया जाने वाला परिश्रम ही है।

सीए अभिषेक रांका ने कॉमर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंसी और वित्तीय क्षेत्रों में उपलब्ध करियर के असीम अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान करते हुए उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। विश्व रिकॉर्ड धारक ओमप्रकाश टेलर ने अपने जीवन के प्रेरणादायक अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। डॉ. चंचला पाटीदार ने शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और व्यक्तित्व विकास के महत्व पर प्रकाश डाला।

# एचडीएफसी इर्गो ने रबी सीजन में मध्य प्रदेश के किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना लागू की

भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एचडीएफसी इर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को मध्य प्रदेश सरकार ने रबी, 2026 सीजन के लिए अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा (पूर्वी निमाड़) और खरगोन जिलों में ऋणी और गैर-ऋणी किसानों के लिए प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) लागू करने के लिए अधिकृत किया है।

इन जिलों में इस योजना का क्रियान्वयन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा योजना के अंतर्गत अधिसूचित निम्नलिखित फसलों के लिए किया जाएगा, जिनके लिए फसलों के अनुसार अंतिम तिथियाँ भी दी गई हैं÷

पीएमएफबीवाई योजना में किसानों को सूखा, बाढ़, अकाल, लैंडस्लाइड, चक्रवात, तूफान, तूफानी बारिश, सैलाब, कीटों, बीमारियों और अन्य बाहरी खतरों के कारण फसल को होने वाले नुकसान से बीमा की सुरक्षा मिलती है। फसल के नुकसान का आकलन करने के लिए, राज्य सरकार इस योजना के लिए अधिसूचित क्षेत्रों में अधिसूचित फसलों पर फसल कटाई प्रयोग (सीसीई) की योजना बनाकर उसका संचालन करेगी। यदि सीसीई में पैदावार के आँकड़े कम पाए गए, तो माना जाएगा कि किसान को फसल का नुकसान हुआ है, और इस नुकसान के लिए उसे क्लेम दिया जाएगा।

इस योजना के अंतर्गत फसल चक्र के हर चरण के लिए बीमा कवर मिलेगा, जिसमें बुआई से पहले, कटाई और कटाई के बाद के जोखिम भी शामिल हैं। पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत आने वाले सभी उत्पाद मध्य प्रदेश सरकार के कृषि विभाग से अनुमोदित हैं। अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, खंडवा (पूर्वी निमाड़) और खरगोन जिलों के किसान अपने जिले के बैंक, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) या अधिकृत एचडीएफसी इर्गो एजेंट से ऊपर सूचीबद्ध फसलों के लिए पीएमएफबीवाई योजना के अंतर्गत बीमा कवर प्राप्त कर सकते हैं। बीमा कवर प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं अन्य विवरण कृषि विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह योजना किसान ऐप पर लॉगऑन करके या वेबसाइट https://pmfby.gov.in/farmerLogin पर सेल्फ-एनरोलमेंट कराके भी प्राप्त की जा सकती है।

# जगन्नाथपुरी की रथयात्रा के साक्षी बने बदनावर के युवा

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** ब्रह्मांड के सबसे बड़े और अलौकिक धार्मिक आयोजनों में शुमार ओडिशा के जगन्नाथपुरी की भव्य रथयात्रा इस वर्ष अपने ऐतिहासिक 149वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। आस्था के इस महासागर में डुबकी लगाने और भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा व भाई बलभद्र के रथों को खींचकर पुण्य लाभ कमाने के लिए देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंच रहे हैं। इसी पावन श्रृंखला में बदनावर क्षेत्र के ग्राम कारोदा से भी युवाओं और श्रद्धालुओं का एक 12 सदस्यीय दल इस आलौकिक उत्सव का साक्षी बनने जगन्नाथपुरी पहुंचा है।

कारोदा के इन युवाओं ने जैसे ही जगन्नाथपुरी की पावन धरा पर कदम रखा, पूरा दल महाप्रभु की भक्ति में लीन हो गया। दल के सदस्यों ने बताया कि पुरी में चारों ओर केवल शंखध्वनि, झांझ-मंजीरों की थाप और जय जगन्नाथ के गगनभेदी नारे गूंज रहे हैं। लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच महाप्रभु के रथों के दर्शन करना और उन्हें स्पर्श करना जीवन के सबसे अद्भुत और अविस्मरणीय क्षणों में से एक है।

पुरी की ऐतिहासिक यात्रा के बीच खुद बदनावर नगर में भी जगन्नाथ रथयात्रा को लेकर धर्ममय वातावरण निर्मित हो चुका है। आगामी 25 जुलाई 2026 को देवशयनी एकादशी के पावन पर्व पर बदनावर नगर में भव्य जगन्नाथ रथयात्रा निकाली जाएगी। उल्लेखनीय है कि बदनावर में इस गरिमामयी रथयात्रा के आयोजन का यह तीसरा वर्ष है। इस भव्य आयोजन को सफल और ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरा हिंदू समाज पूरी ऊर्जा के साथ जुट गया है। बैठकों का दौर जारी है और अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं।

# स्वच्छ जल एवं सुरक्षित स्वास्थ्य के लिए एफटीके प्रशिक्षण एवं किट वितरण आयोजित

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में संचालित ÷स्वच्छ जल, समुचित उपचार, डायरिया से बचे हर बार÷ अभियान के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, झाबुआ द्वारा बुधवार को विकासखंड झाबुआ के जनपद पंचायत सभागार में सचिवों एवं रोजगार सहायकों के लिए फील्ड टेस्टिंग किट (एफटीके) प्रशिक्षण एवं किट वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को एफटीके के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की जांच करने की विधि का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया, ताकि ग्राम स्तर पर नियमित रूप से पेयजल स्त्रोतों की गुणवत्ता का परीक्षण सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही उन्हें ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति (वीडब्ल्यूएससी) का गठन एवं उसे सक्रिय रूप से संचालित करने, पेयजल स्त्रोतों के आसपास नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक उपायों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में शुद्ध पेयजल के महत्व, जलजनित बीमारियों की रोकथाम, स्वच्छता एवं जल संरक्षण के प्रति विस्तार से जागरूक किया गया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों को स्वच्छ जल एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को जन-आंदोलन बनाने तथा अपने-अपने ग्रामों में जनजागरूकता फैलाने की शपथ भी दिलाई गई। प्रशिक्षण का संचालन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार श्री धूलिया बामनिया तथा विकासखंड समन्वयक श्रीमती अंकिता सोलंकी एवं श्रीमती अर्चना डावर द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें एफटीके के प्रभावी उपयोग एवं जल गुणवत्ता निगरानी की प्रक्रिया से अवगत कराया गया। कार्यक्रम में खंड पंचायत अधिकारी श्री लालूसिंह अजनार, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सहित जनपद पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# झाबुआ जिले में सुरक्षा सैनिक भर्ती शिविर आयोजित

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद, नई दिल्ली, भारत सरकार के पसारा एक्ट-2005 के अंतर्गत, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन एवं मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से सिक्योरिटी स्किल काउंसिलिंग इंडिया लिमिटेड, नीमच द्वारा जिले में ग्रामीण एवं शहरी शिक्षित युवाओं के लिए सुरक्षा सैनिक भर्ती शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। भर्ती अभियान के तहत 15 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत राणापुर में आयोजित भर्ती शिविर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के 31 युवाओं ने भाग लिया। निर्धारित मापदंडों के आधार पर 11 युवाओं का चयन किया गया। भर्ती अभियान के अंतर्गत आगामी शिविर 16 जुलाई को जनपद पंचायत रामा, 17 जुलाई को जनपद पंचायत पेटलावद, 20 जुलाई को जनपद पंचायत थांदला, 21 जुलाई को जनपद पंचायत मेघनगर तथा 22 जुलाई 2026 को जनपद पंचायत झाबुआ में आयोजित किए जाएंगे। सभी शिविर प्रतिदिन प्रातः 11÷00 बजे से अपराह्न 3÷00 बजे तक संचालित होंगे। चयनित अभ्यर्थियों को नीमच में एक माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात उन्हें औद्योगिक एवं प्रतिष्ठित संस्थानों में सुरक्षा सैनिक के रूप में नियुक्ति दी जाएगी। नियुक्ति के अवसर दिल्ली का लाल किला, अयोध्या राम मंदिर, महाकाल मंदिर, खजुराहो मंदिर, सांची स्तूप, आगरा का ताजमहल, ग्वालियर किला, एसबीआई एवं आईडीबीआई बैंक सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों तथा मध्यप्रदेश एवं गुजरात के प्रतिष्ठानों में उपलब्ध होंगे।

# विधानसभा सत्र में गूंजेगी बदनावर और प्रदेश की आवाज

## विधायक भंवरसिंह शेखावत ने उठाए किसानों, आदिवासियों और भ्रष्टाचार से जुड़े ज्वलंत मुद्दे

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगामी मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र को लेकर बदनावर विधायक भंवरसिंह शेखावत पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। उन्होंने प्रदेश सहित अपने विधानसभा क्षेत्र से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण जनहित के विषयों पर प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण सूचनाएं प्रस्तुत कर प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट किया है। क्षेत्र के विकास से लेकर प्रदेश स्तर के वित्तीय मुद्दों तक, विधायक शेखावत ने सदन में जनता की पुरजोर वकालत करने की पूरी तैयारी कर ली है।

विधायक शेखावत ने अन्नदाताओं और क्षेत्र के आदिवासियों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है तो वही किसानों को रासायनिक उर्वरकों (खाद) की पर्याप्त और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है। राजस्व मामलों में भी प्रत्येक तहसील में भूमि सीमांकन एवं राजस्व विवादों के जल्द निपटारे के लिए आधुनिक रोवर मशीन उपलब्ध कराने तथा भू-संहिता की धारा-115 के तहत लिपिकीय त्रुटियों का निराकरण तहसील स्तर पर ही करने की बात रखी। बदनावर तहसील के आदिवासी बहुल ग्राम निंदवानिया एवं चिराखान में उद्योग विभाग को आवंटित या अधिग्रहित की गई भूमि को आदिवासी एवं कृषक हित में तत्काल मुक्त करने का विषय प्रमुखता से रखा। इसके अलावा विधायक ने युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए खेल अधोसंरचना का विकास और खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता, जनपद पंचायतों में लंबे समय से रिक्त पड़े ADEO एवं PCO के पदों को पंचायत सचिवों की पदोन्नति के जरिए शीघ्र भरने की मांग की है। स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सकों एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ के रिक्त पदों को प्राथमिकता से भरने का आग्रह भी किया।

विधायक शेखावत ने सरकार को घेरते हुए बड़े वित्तीय और प्रशासनिक मुद्दों पर भी तीखे सवाल किए हैं जिसमे मंडी बोर्ड रीवा में पदस्थ उप संचालक के विरुद्ध गंभीर अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच तथा इंदौर नगर निगम में कथित फर्जी भुगतान के मामले में जवाब मांगा है। इसके साथ ही वर्षों से जमे तकनीकी अमले के अधिकारियों की समीक्षा की मांग की है। प्रदेश पर लगातार बढ़ रहे ऋण भार और राज्य की आय का एक बड़ा हिस्सा केवल ब्याज चुकाने में खर्च होने पर चिंता जताई। उन्होंने सरकार से पूछा कि आय बढ़ाने और अनावश्यक व्यय पर नियंत्रण के लिए क्या कार्ययोजना है। इंदौर की कान नदी पर करोड़ों रुपये फूंकने के बाद भी परिणाम शून्य रहने पर सवाल उठाए, साथ ही भागीरथपुरा घटना के मृतकों के परिजनों को शासकीय सहायता देने की मांग की। आस्था के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए उन्होंने प्रदेश के मठ-मंदिरों के पुजारियों को समय पर मानदेय प्रदान किए जाने का विषय भी विधानसभा में पूरी मुस्तैदी से उठाया है। इस संबंध में चर्चा करते हुए विधायक भंवरसिंह शेखावत ने कहा कि विधानसभा जनता की आवाज़ को शासन तक पहुँचाने का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार इन सभी जनहित के विषयों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक एवं सकारात्मक निर्णय लेगी, जिससे प्रदेश एवं क्षेत्र की जनता को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा। उक्त महत्वपूर्ण जानकारी विधायक निज सहायक आर.पी.सिंह द्वारा प्रदान की गई।

# रहवासियों को धमकी - मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

## शुभम सृष्टि कॉलोनी के कॉलोनाइजर के खिलाफ एसडीएम से शिकायत

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** ग्राम खेड़ा एवं नगर परिषद बदनावर के वार्ड क्रमांक 2 स्थित शुभम सृष्टि कॉलोनी के कॉलोनाइजर द्वारा नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाने और मूलभूत सुविधाएं मुहैया न कराने का एक गंभीर मामला सामने आया है। कॉलोनाइजर की तानाशाही और अवैध अतिक्रमण को शह देने की प्रवृत्ति से परेशान होकर कॉलोनी के पीड़ित निवासियों ने अनुविभागीय अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कॉलोनी वासियों द्वारा सौंपे गए पत्र में कॉलोनाइजर की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। रहवासियों का सीधा आरोप है कि कॉलोनाइजर द्वारा शासन और रेरा के नियमों को पूरी तरह ताक पर रख दिया गया है। प्लॉट बेचते समय किए गए वादों के विपरीत, कॉलोनी में आज तक मूलभूत सुख-सुविधाओं का विस्तार नहीं किया गया है, जिसके कारण रहवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

शिकायत में उल्लेख किया गया है कि कॉलोनाइजर और उसके मैनेजर को कई बार मौखिक और लिखित रूप से कॉलोनी की समस्याओं से अवगत कराया गया। लेकिन हर बार कॉलोनाइजर द्वारा झूठा भरोसा देकर मामले को टाल दिया गया। स्थिति यह है कि कॉलोनी में बिजली के पोल और पर्याप्त विद्युत व्यवस्था का अभाव है तो वही खाली पड़े भूखंडों पर झाड़ियां और गंदगी, जिससे जंगली जानवरों का लगातार भय बना रहता है। पानी की निकासी और सुचारू नल कनेक्शन की कोई व्यवस्था नहीं है तो कॉलोनी के लिए आवश्यक पानी की टंकी और सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल का निर्माण भी नहीं हुआ।

रहवासियों ने कॉलोनाइजर पर यह भी आरोप लगाया है कि कॉलोनी के मुख्य मार्ग और सार्वजनिक रास्तों पर दुकानदारों, गैरेज और सर्विस सेंटर संचालकों द्वारा किए गए अवैध पक्के-कच्चे अतिक्रमण पर कॉलोनाइजर ने पूरी तरह आंखें मूंद रखी हैं। मुख्य रोड संकरा होने के कारण वहां असामाजिक तत्वों और शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है, जो स्कूल आने-जाने वाले बच्चों और महिलाओं पर फब्तियां कसते हैं। कॉलोनाइजर की इस लापरवाही के कारण कॉलोनी का माहौल पूरी तरह असुरक्षित हो चुका है।

शिकायती पत्र में कॉलोनाइजर के अड़ियल रवैये का पर्दाफाश करते हुए बताया गया है कि जब भी कॉलोनी के जिम्मेदार नागरिक इस अव्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाते हैं, तो कॉलोनाइजर और उसके मैनेजर द्वारा विवाद किया जाता है। कॉलोनाइजर द्वारा रहवासियों को दोटूक शब्दों में धमकी दी जा रही है कि यह मेरा काम नहीं है, जो करना हो कर लो, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, जाकर ग्राम पंचायत या नगर परिषद में आवेदन दो।

कॉलोनाइजर की इस तानाशाही के खिलाफ कॉलोनी के समस्त निवासियों ने लामबंद होकर एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने मांग की है कि कॉलोनाइजर के खिलाफ नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज कर कॉलोनी का तत्काल प्रशासनिक निरीक्षण किया जाए और सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण हटवाकर कॉलोनाइजर को तय समय सीमा में समस्त मूलभूत सुविधाएं पूर्ण करने हेतु बाध्य किया जाए।

इस मामले की प्रतिलिपि थाना प्रभारी बदनावर और सरपंच ग्राम पंचायत खेड़ा को भी आगामी कार्रवाई हेतु भेजी गई है।

# संगम तीर्थ सुकताल में पं. अग्निहोत्री के मुखारविंद से होगी श्रीमद्भागवत कथा

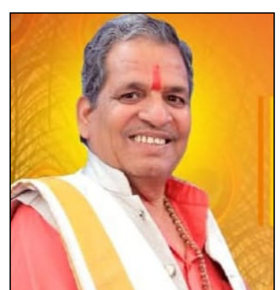

**बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** धर्म, आस्था और भक्ति के पावन संगम तीर्थ सुकताल में आयोजित होने वाली भव्य श्रीमद्भागवत कथा में सम्मिलित होने के लिए बदनावर के श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। कथा में सहभागी बनने के लिए श्रद्धालुओं का एक विशेष जत्था आगामी 20 जुलाई, सोमवार को प्रातः 9 बजे स्थानीय बड़ी चौपाटी से श्रद्धाभाव के साथ रवाना होगा।

यात्रा का श्रीगणेश भगवान श्री महाकाल के दर्शन-पूजन के साथ होगा। सभी श्रद्धालु सबसे पहले उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेंगे। इसके पश्चात, सभी तीर्थयात्री स्लीपर कोच बस द्वारा सीधे सुकताल (उ.प्र.) के लिए प्रस्थान करेंगे। सुकताल स्थित पावन तीर्थ शुकदेव आश्रम स्वामी कल्याण सेवा ट्रस्ट में 22 जुलाई से 28 जुलाई तक भव्य श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन होने जा रहा है। प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक सुप्रसिद्ध भागवताचार्य रमेशचंद्र अग्निहोत्री के मुखारविंद से कथा की अमृतवर्षा होगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी पवित्र धरा पर विशाल अक्षय वटवृक्ष के नीचे महर्षि शुकदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को श्रीमद्भागवत महापुराण का दिव्य उपदेश दिया था। यही कारण है कि यह स्थान सनातन धर्म में विशेष आस्था का केंद्र है। खास बात यह है कि इस कथा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए पितृ मोक्ष भागवत का विशेष आयोजन भी रखा गया है, जिसमें पूर्वजों की आत्मशांति और मोक्ष की कामना के लिए धार्मिक अनुष्ठान किए जाएंगे।

28 जुलाई को कथा की पूर्णाहुति होगी। इसके बाद यह आध्यात्मिक यात्रा आगे बढ़ेगी, जिसमें श्रद्धालु हरिद्वार, गोकुल, मथुरा, वृंदावन और बरसाना सहित कई प्रमुख धार्मिक व आध्यात्मिक स्थलों के दर्शन-पूजन करेंगे। इन सभी प्रमुख तीर्थों की यात्रा पूर्ण करने के बाद श्रद्धालुओं का दल बदनावर लौटेगा। इस अलौकिक यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। पुण्य लाभ, कथा श्रवण और देव दर्शन की इस यात्रा की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

# समस्या का सामना किसान करता है पर उसको राजस्व विभाग के चक्कर काटते काटते बहुत समय हो जाता है किसान पुत्री दुग्रेश बैरागी

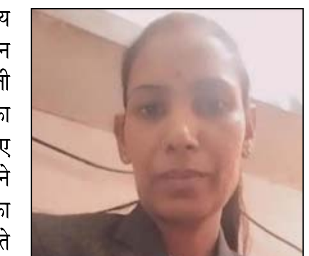

**खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालावा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री के ग्रह जिले के तहसील खाचरोद से है एक दर्द भरी किसान कि पीड़ा शासन प्रशासन तक रखना चाहती हुं में दुर्गेश बैरागी एक किसान हु किसान होने के साथ साथ एक अभिभाषक भी हु मैने मेरे जीवन काल में देखा कि किसानों को अनेक समस्या का सामना करना पड़ता है किसान सभी समस्या का सामना तो कैसे भी कर लेता है लेकिन इन्हीं समस्या में से किसान की एक समस्या है कि कभी पड़ोसी ने रास्ता रोक दिया खेत पर आने जाने का तो कभी पानी का रास्ता रोक दिया ऐसी समस्या का सामना किसान करता है पर उसको राजस्व विभाग के चक्कर काटते काटते बहुत समय हो जाता है जिसमें किसान के समय बर्बादी के साथ साथ पैसे की समस्या का भी गंभीर सामना करता पड़ता है ओर फिर भी उम्मीद लेकर राजस्व विभाग में जाता है जहां से उसको आश्वासन दिया जाता है कार्यवाही ओर समस्या का निराकरण करने का लेकिन जब तक कार्यवाही खत्म होती है उसके पहले ही फसल बोने का समय खत्म हो जाता है ओर किसान का खेत अधिकांश बार खाली ही पड़ा रह जाता है उसका जिम्मेदार किसको बनाना चाहिए राजस्व विभाग को या जिसने खेत पर जाने का रास्ता रोका उसको दोनों को नहीं बना सकते है उसी तरह पानी निकासी का भी है फसल खराब होती है पानी निकासी अवरुद्ध करने से तो उसका जिम्मेदार राजस्व विभाग को बनाया जाए या जिसने पानी रोका उसको दोनों ही अपने अपने हाथ ऊंचे कर लेती है और भारी मात्रा में नुकसान किसान को उठाना पड़ता है इसलिए मेरा मध्यप्रदेश सरकार से हाथ जोड़कर निवेदन है कि जब तक राजस्व विभाग अपने तरीके से कार्यवाही पूरी करे ओर रास्ता खुलवाये तब तक बहुत देर हो जाती है इसलिए किसान अपनी खेती समय पर कर सके इसलिए जिस जिस किसान का रास्ता बंद है उनको एक एक हवाई जहाज की व्यवस्था करवाई जाए ताकि वह उड़कर जाकर अपनी खेती कर सके ओर अपने बच्चों घर परिवार का भरण पोषण कर सके उसी तरह जिस जिस किसान की पानी निकासी रोक दी गई है ओर कार्यवाही होती है तब तक फसल पूरी तरह से नष्ट हो जाती है ओर किसान न इधर का रहता है ओर न उधर का तो मेरा सरकार से निवेदन है कि जिस खेत में पानी भर जाता है उस खेत के मालिक किसान को ऐसे बीज की व्यवस्था करवाई इजाए जो पानी में आसानी से हो सके ओर किसान को आर्थिक हानि का सामना न करना पड़े या फिर पानी निकासी के प्रकरण को ओर रास्ता विवाद के प्रकरण को महत्व देते हुए उसे जल्द से जल्द निपटाने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए क्योंकि किसान लोग 6 महीने में एक फसल की आस करके बैठता है और वह समय पर बो नहीं सकता उसकी रक्षा नहीं कर सकता तो फिर वो क्या करे आपराधिक ओर सिविल मामले धीमी गति से चलते है तो उसमें किसी भी पक्षकार को कोई ज्यादा नुकसान नहीं है लेकिन राजस्व विभाग में रास्ता विवाद ओर पानी निकासी के मामले ऐसे है जो तारीख पर तारीख चलते चलते या तो बोवनी का समय निकल जाता है या फसल नष्ट हो जाती है सरकार से ओर राजस्व विभाग के सभी अधिकारियों से विनम्र निवेदन है कि कई किसान सिर्फ अपनी फसल पर ही निर्भर होते है किसान को समस्या या परेशानी होती है तब ही वह न्याय के लिए बड़े अधिकारियों से न्याय के लिए गुहार लगाते है किसान होना कोई मजाक नहीं है मैं मैं सरकार तक यह बात पहुंचाना चाहती हु कि जब तक राजस्व विभाग में रास्ता विवाद खत्म नहीं होता है तब तक अस्थाई रूप से किसान को निकलने के लिए रास्ता दिलवाया जाए ओर पानी निकासी के लिए भी।

# कलेक्टर ने विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक गुणवत्ता एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने बुधवार को जिले के मेघनगर एवं थांदला विकासखंड के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, विद्यालयीन व्यवस्थाओं तथा अधोसंरचना का विस्तृत जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासकीय प्राथमिक विद्यालय फुटतालाब (विकासखंड मेघनगर), एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अगराल (थांदला), पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय चैनपुरा, शासकीय प्राथमिक विद्यालय दमेला फलिया चैनपुरा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगावां का निरीक्षण किया।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय फुटतालाब में निरीक्षण के दौरान दो शिक्षक विलंब से उपस्थित पाए गए। इस पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए दोनों शिक्षकों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। विद्यालय में विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर की समीक्षा के दौरान अध्ययन की गुणवत्ता अपेक्षित स्तर पर नहीं पाई गई। इस पर कलेक्टर ने विकासखंड स्रोत समन्वयक (बीआरसी) एवं जनशिक्षक को नियमित रूप से विद्यालयों का भ्रमण कर शिक्षण व्यवस्था की सतत निगरानी करने तथा विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में सुधार के लिए प्रभावी प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विद्यालय परिसर की रंगाई-पुताई, स्वच्छता एवं आवश्यक रखरखाव कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए कहा कि विद्यालय का वातावरण आकर्षक एवं प्रेरणादायी होना चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, नियमित अध्यापन कराने तथा प्रत्येक विद्यार्थी के सीखने के स्तर में सुधार लाने के लिए संबंधित शिक्षकों को गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अगराल (थांदला) के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संस्था के परीक्षा परिणामों की समीक्षा की। परीक्षा परिणाम अपेक्षा से कम पाए जाने पर उन्होंने समस्त स्टाफ की बैठक लेकर इसके कारणों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने शिक्षकों से कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी की शैक्षणिक प्रगति पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान दिया जाए तथा आगामी परीक्षाओं में शत-प्रतिशत एवं गुणवत्तापूर्ण परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जाए।

निरीक्षण के दौरान विद्यालय की अधोसंरचनात्मक आवश्यकताओं का भी अवलोकन किया गया। कलेक्टर ने परिसर में पानी की टंकी, सुरक्षा की दृष्टि से स्पीड ब्रेकर एवं ओवरब्रिज तथा बाउंड्रीवाल निर्माण से संबंधित प्रस्ताव शासन को शीघ्र भेजने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

इसके पश्चात कलेक्टर ने पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय चैनपुरा, शासकीय प्राथमिक विद्यालय दमेला फलिया चैनपुरा तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नौगावां का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालयों में संचालित शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मूलभूत सुविधाओं एवं विद्यालयीन व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का आधार हैं। इसलिए प्रत्येक शिक्षक अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

कलेक्टर डॉ. भरसट ने अधिकारियों से कहा कि विद्यालयों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मेघनगर सुश्री अवनधती प्रधान, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान का बड़वानी में भव्य शुभारंभ कलेक्टर और एसपी ने जागरूकता रथ को दिखाई हरी झंडी

**बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले को पूर्णतः नशामुक्त बनाने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से आज, 15 जुलाई से नशे से दूरी है जरूरी 2.0 विशेष जन-जागरूकता अभियान का शंखनाद किया गया। अभियान के शुभारंभ अवसर पर बड़वानी कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती काजल जावला ने थाना कोतवाली बड़वानी से जन-जागरूकता रैली एवं विशेष जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस गरिमामयी आयोजन में बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थी, शिक्षकगण, एनसीसी व एनएसएस कैडेट्स, स्काउट-गाइड, विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पुलिस बल और स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की। रैली शहर के मुख्य मार्गों से गुजरी, जहाँ गगनभेदी नारों और प्रेरक संदेशों के माध्यम से आमजन को नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट होने की अपील की गई।

नशामुक्त समाज के निर्माण में जनसहभागिता अनिवार्य - कलेक्टर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने कहा कि नशे की समस्या पर केवल प्रशासनिक प्रयासों से काबू नहीं पाया जा सकता, इसके लिए जन-जन की भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने विशेष रूप से विद्यार्थियों और युवाओं से अपील की कि वे अपने भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए नशे से दूर रहें और इस अभियान को एक सशक्त जनआंदोलन का रूप दें। हर थाने और गाँव तक पहुँचेगी अलखरू पुलिस अधीक्षक पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल ने समाज और परिवारों के बिखरने के पीछे नशे को एक बड़ा कारण बताया। उन्होंने जानकारी दी कि 15 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के तहत जिले के सभी थाना क्षेत्रों के स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर निबंध, चित्रकला, नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद और खेलकूद जैसी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के जरिए जागरूकता फैलाई जाएगी। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की सामूहिक शपथ भी दिलाई ।

वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति इस ऐतिहासिक शुभारंभ अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री धीरज बब्बर, एसडीओपी बड़वानी श्री महेश सुनैया, रक्षित निरीक्षक श्री चेतन बघेल, थाना प्रभारी कोतवाली बलजीत बिसेन सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख, जनप्रतिनिधि, प्रबुद्ध नागरिक और बड़ी संख्या में पुलिस व प्रशासनिक अमला उपस्थित रहा। यह विशेष अभियान पूरे बड़वानी जिले में आगामी 30 जुलाई 2026 तक निरंतर जारी रहेगा।

# मंत्री डॉ. विजय शाह व प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने किया निर्माण कार्यों का शुभारम्भ

**खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश सरकार के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह एवं प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी की उपस्थिति में नगर निगम खण्डवा द्वारा आयोजित प्रकरण में मुख्यमंत्री शहरीय अधोसंरचना निर्माण योजना के तहत 8.43 करोड़ रूपए के कुल 11 कार्यों का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, खण्डवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पार्षदगण एवं अधिकारी मौजूद थे।

कार्यक्रम में 8.43 करोड़ रूपए के जिन 11 कार्यों का शुभारम्भ किया गया, उनमें रामेश्वर वार्ड में प्राचीन कुण्ड रामेश्वर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य की लागत 2.60 करोड़ रूपए है। इसी तरह संत रैदास वार्ड में मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य की लागत 2.55 करोड़ रूपए है। दादाजी वार्ड में दादाजी मन्दिर एवं गणेश गौशाला चौराहा के सौंदर्यीकरण कार्य की लागत 77 लाख रूपए है। गुरूनानक वार्ड में माखनलाल चतुर्वेदी पुराना बस स्टैण्ड के सौंदर्यीकरण कार्य की लागत 51 लाख रूपए, भैरोतालाब वार्ड में पदमकुण्ड के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य की लागत 1.40 करोड़ रूपए, वार्ड नंबर 26 में सीसी रोड निर्माण कार्य की लागत 10 लाख रूपए, महालक्ष्मी वार्ड में टीन शेड निर्माण कार्य की लागत 10 लाख रूपए, गांधीनगर में रामदेव मन्दिर के पास टीन शेड निर्माण की लागत 10 लाख रूपए, दीनदयाल पुरम में नाग बाबा मन्दिर के पास टीन शेड निर्माण की लागत 10 लाख रूपए है। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 27 में बगीचा निर्माण की लागत 10 लाख रूपए और कुण्डलेश्वर वार्ड में सीसी रोड व नाली निर्माण के 10 लाख रूपए लागत के कार्यों का भी शुभारंभ किया गया।

# दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का शुभारंभ, 31 अगस्त तक घर-घर होगी बच्चों की स्वास्थ्य जांच

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** जिले में शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाने तथा 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को दस्त, निमोनिया, कुपोषण एवं अन्य बाल्यकालीन बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का शुभारंभ जिला चिकित्सालय झाबुआ में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान ने बच्चों को विटामिन ए की आयु अनुरूप खुराक पिलाकर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा ने बताया कि 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 तक संचालित होने वाले इस विशेष अभियान के दौरान जिले के समस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम दस्त, निमोनिया, बुखार, कुपोषण सहित अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों की पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित करेगी तथा आवश्यकता होने पर उन्हें उच्च स्वास्थ्य संस्थाओं में रेफर किया जाएगा। गंभीर कुपोषित (एसएएम) बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती कर उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान ने बताया कि अभियान कुल 33 कार्य दिवसों तक संचालित होगा। प्रत्येक दस्तक दल का नेतृत्व एएनएम करेंगी, जबकि आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहयोगी की भूमिका निभाएंगी। घर-घर भ्रमण के दौरान डीएसएस टूल के माध्यम से बच्चों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की जाएगी तथा चिन्हित बच्चों को निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार उपचार एवं रेफरल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अभियान की मैदानी गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण संबंधित कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) द्वारा किया जाएगा।

अभियान के अंतर्गत 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के परिवारों को दो ओआरएस पैकेट एवं 14 जिंक टैबलेट उपलब्ध कराई जाएंगी। 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की आयु अनुरूप खुराक पिलाई जाएगी। गंभीर कुपोषित (एसएएम) बच्चों की पहचान कर आवश्यकतानुसार उन्हें एनआरसी में भर्ती कराया जाएगा। इसके साथ ही 6 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों के परिवारों को आयरन-फोलिक एसिड (आईएफए) सिरप उपलब्ध कराया जाएगा तथा एनीमिया की रोकथाम एवं संतुलित पोषण संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि जब दस्तक दल उनके घर पहुंचे, तब बच्चों की स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं तथा अभियान के अंतर्गत उपलब्ध कराई जा रही सभी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लें। विभाग का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे तक समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर शिशु एवं बाल मृत्यु दर में प्रभावी कमी लाना तथा जिले को स्वस्थ एवं कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में ठोस परिणाम सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर (डीसीएम), जिला चिकित्सालय के अधिकारी तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

**खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि नगर निगम द्वारा संचालित रैन बसेरों में रूकने वाले नागरिकों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने ग्रीष्म ऋतु में खण्डवा नगर की पेयजल वितरण व्यवस्था में सुधार के लिए नगर निगम की टीम को बधाई दी। उन्होंने वर्षा ऋतु में शहर के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश आयुक्त नगर निगम को दिए। प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने इस दौरान नगर निगम, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण, परिवहन विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, मार्केटिंग फेडरेशन, कृषि विभाग और सहकारिता विभाग के तहत संचालित विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में क्षेत्रीय सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, खण्डवा की महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री अगम जैन और जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर, जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा, अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने बैठक में नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समय सीमा पालन का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में गंदगी के कारण फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए शहर में सफाई व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र के अस्पतालों के आकस्मिक निरीक्षण के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया कि मूंग उपार्जन के लिए जिले में 9 केन्द्र बनाए गए हैं, जनप्रतिनिधियों की मांग पर प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने मूंग उपार्जन के लिए केन्द्र बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में खाद बीज और बारदाने की उपलब्धता की भी समीक्षा की तथा डीएपी उर्वरक की कम आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए इसके विकल्पों के सम्बंध में किसानों को जागरूक करने के निर्देश उप संचालक कृषि को दिए।

प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने जनजातीय कार्य विभाग के छात्रावास एवं आश्रमों में विद्यार्थियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कहा।

# आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सजगता और समुचित पोषण से स्नेहा ने जीती कुपोषण से जंग

**झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** महिला एवं बाल विकास विभाग की सतत निगरानी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की सक्रियता तथा समय पर मिले उपचार और पोषण के समन्वित प्रयासों से परियोजना रामा के सेक्टर पिथनपुर-1 स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र पिथनपुर की बालिका स्नेहा आज कुपोषण से बाहर निकलकर सामान्य श्रेणी में पहुंच गई है। यह कहानी विभाग की प्रभावी कार्यप्रणाली और सामुदायिक सहयोग का प्रेरणादायक उदाहरण है।

स्नेहा, पिता श्री कमलेश भूरिया, का जन्म 2 अक्टूबर 2025 को हुआ था। जन्म के समय उसका वजन 2.400 किलोग्राम था। जन्म के कुछ समय बाद ही उसके माता-पिता मजदूरी के लिए गुजरात चले गए। मजदूरी के दौरान वे स्नेहा को पड़ोसियों के पास छोड़कर काम पर चले जाते थे। परिणामस्वरूप बालिका को समय पर मां का दूध और पर्याप्त पोषण नहीं मिल सका, जिससे उसका स्वास्थ्य प्रभावित हुआ और वह गंभीर कुपोषण की श्रेणी में पहुंच गई।

माता-पिता के वापस गांव लौटने के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कु. नीलम भूरिया ने नियमित वजन एवं लंबाई मापन के दौरान स्नेहा की स्थिति का आकलन किया। जांच में बालिका गंभीर कुपोषित पाई गई। इसके बाद उन्होंने परिजनों को कुपोषण के दुष्परिणामों एवं समय पर उपचार और उचित पोषण के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया तथा बालिका की विशेष देखभाल के लिए प्रेरित किया।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने स्नेहा को वीएचएसएनडी दिवस पर एएनएम से स्वास्थ्य परीक्षण करवाकर आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराईं। साथ ही परिजनों को प्रेरित कर स्नेहा को पोषण पुनर्वास केन्द्र (एनआरसी), रामा में भर्ती कराया गया। वहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसकी समस्त आवश्यक जांचें की गईं तथा 14 दिनों तक उपचार और विशेष पोषण उपलब्ध कराया गया। इस दौरान स्नेहा के स्वास्थ्य एवं वजन में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

एनआरसी से वापस आने के बाद भी आंगनवाड़ी केन्द्र पर स्नेहा की नियमित निगरानी की गई तथा उसे सतत रूप से पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराया गया। निरंतर देखभाल, संतुलित पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं के परिणामस्वरूप आज स्नेहा कुपोषण से मुक्त होकर सामान्य श्रेणी में आ चुकी है।

स्नेहा के परिजनों ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कु. नीलम भूरिया तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समय पर मिले मार्गदर्शन, उपचार और पोषण सहयोग से उनकी बेटी को नया जीवन मिला है। यह सफलता दर्शाती है कि विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निगरानी और जनसहभागिता के माध्यम से कुपोषण जैसी गंभीर समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

# मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग अध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित

**बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष श्री एस.एन. मिश्रा की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोग के सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह, कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री पद्मविलोचन शुक्ल, जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला, अन्य वरिष्ठ अधिकारी सहित समस्त प्रमुख विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में आयोग के अध्यक्ष श्री मिश्रा ने बताया कि नागरिकों की सुविधा के लिए भौगोलिक परिस्थितियों और जन अपेक्षाओं के आधार पर जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभाग, जिला, तहसील और विकासखंड जैसी प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन की अनुशंसा के लिए आयोग का गठन किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन और युक्तियुक्तकरण का मुख्य उद्देश्य प्रशासकीय कार्यों की दक्षता को बढ़ाना और आमजन तक शासकीय सेवाओं की पहुंच को आसान बनाना है। प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के लिए आधिकारिक पोर्टल www.mpaurc.mp.gov.in के माध्यम से 31 जुलाई तक अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। पोर्टल पर प्राप्त होने वाले इन सुझावों पर जिला कलेक्टर विचार करेंगे और अपनी अनुशंसा के साथ इसे आयोग को भेजेंगे।

आयोग के अध्यक्ष श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि जिला, उपखंड, तहसील, जनपद एवं विकासखंड स्तर पर भी बैठकें आयोजित की जाएं, ताकि प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में सम्यक रूप से विचार कर जमीनी सुझाव प्राप्त किए जा सकें।

# प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने मूंदी में सांदीपनि विद्यालय व जनपद के नए भवन का लोकार्पण किया

**खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रदेश सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने बुधवार को मूंदी में आयोजित कार्यक्रम में 37.50 करोड़ रुपए लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय मूंदी के नवनिर्मित भवन एवं 80 लाख रुपए लागत से बने जनपद पंचायत पुनासा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। मूंदी के सांदीपनि विद्यालय के मैदान में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटिल, खंडवा की विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तन्वे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, पंधाना विधायक श्रीमती छाया मोरे, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती पिंकी सुदेश वानखेड़े, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता और नगर पंचायत मूंदी की अध्यक्ष श्रीमती ज्योतिबाला राठौर, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री राजपाल सिंह तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकास कार्यों की श्रृंखला लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि मूंदी में 37.50 करोड़ रुपए लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय एक बड़ी उपलब्धि है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा )

# सदावल के आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचे मुख्यमंत्री

## बच्चों को झूला झुलाया, पोषण आहार बांटा

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** मुख्यमंत्री ने बुधवार को उज्जैन के ग्राम सदावल स्थित सक्षम आदर्श आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यह आंगनवाड़ी बच्चों के सर्वांगीण विकास की सच्ची पाठशाला है। यहां बच्चों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षणिक विकास के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई हैं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों से आत्मीय संवाद किया, उन्हें झूला झुलाया और दुलार करते हुए लड्डू, चना तथा मूंगफली के पैकेट वितरित किए। बच्चों ने नमस्ते सर कहकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया और गुलाब का फूल भेंट किया। उन्होंने फूड जोन, स्वास्थ्य परीक्षण कक्ष, मेडिसिन कक्ष सहित केंद्र की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन कर जानकारी ली। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने केंद्र में संचालित व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर रही है। पक्के भवन, फर्नीचर, खिलौने, पोषण आहार, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और प्रारंभिक शिक्षा जैसी सभी सुविधाएं बच्चों को एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सीएसआर फंड से बने इस केंद्र में बच्चों के समग्र विकास के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गई हैं। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाई गई पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसके बाद ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत आंगनवाड़ी परिसर में आम, पीपल, बरगद, नीम, सुरजना और जामफल के पौधे लगाए तथा सभी नागरिकों से कम से कम एक पौधा लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने मंच से लाड़ली लक्ष्मी योजना की बालिकाओं को आश्वासन प्रमाण-पत्र और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की पात्र महिलाओं को हितलाभ वितरित किए। उन्होंने बालिकाओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। कार्यक्रम में पदोन्नत अधिकारियों, नव नियुक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने मुख्यमंत्री का सम्मान किया। इस अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, महापौर मुकेश टटवाल शाहिद अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, ग्रामीण महिलाएं और बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे।

# कोतवाली पुलिस ने शुरू की ठगी करने वाले ईरानी बदमाश से पूछताछ

## नानाखेड़ा थाना पुलिस मुंबई से लाई थी प्रोटेक्शन वारंट पर

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** पुलिसकर्मी बनकर साथियों के साथ उज्जैन में आभूषण ठगी की 2 वारदात को अंजाम देने वाले ईरानी बदमाश को अब कोतवाली थाना पुलिस ने 3 दिनों की प्रोटेक्शन रिमांड पर लिया है। बदमाश का एक साथी पूर्व में गिरफ्तार हो चुका था, उसके 2 साथी अब भी फरार है।

जुलाई 2025 में कोतवाली थाना क्षेत्र नगर निगम के सामने बाइक से आये दो बदमाशों ने सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर सतीश कुमार पिता माणकलाल गुप्ता 66 वर्ष निवासी ऋषिनगर को रोक खुद को पुलिसकर्मी बताते हुये लूटपाट और स्नेचिंग होने का झांसा देकर गले से सोने की चेन, पेंडल, तीन अंगूठी व सोने का ब्रेसलेट उतार लिया था और कागज की पुड़िया में बांधकर वापस देने के बाद फरार हो गये थे। पुड़िया में आभूषण गायब मिले थे। सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था। दोनों बदमाशों ने उसी दिन नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के बसंत बिहार में रहने वाली आशा अडवानी 60 वर्ष के साथ कालापत्थर पर पुलिसकर्मी बनकर आभूषण ठगी को अंजाम दिया था। सालभर बाद आभूषण ठगी में शामिल एक बदमाश हुसैनी पिता फैय्याज सैय्यद 45 वर्ष निवासी खड़कपाडा महाराष्ट्र मुम्बई पुलिस की गिरफ्त में आया है। नानाखेड़ा पुलिस उसे प्रोटेक्शन रिमांड पर उज्जैन लाई थी। जिसे रिमांड पर लिया गया था। सोमवार को रिमांड खत्म होने पर उसे न्यायालय में पेश किया गया। जहां से कोतवाली थाना पुलिस अपने क्षेत्र में हुई वारदात के संबंध में पूछताछ के लिये 3 दिनों के प्रोटेक्शन रिमांड पर लेकर गई है। एसआई गोपाल राठौर ने बताया कि रिमांड पर लिये गये आरोपी के 2 साथी फरार है, जो मुम्बई के रहने वाले है। चारों ने साथ मिलकर उज्जैन में 2 वारदातों को अंजाम दिया था।

### अखिल भारतीय उत्थान संगठन का आदर्श जी भारद्वाज को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** अखिल भारतीय उत्थान संगठन (भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त) के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री हरिशंकर जी शुक्ल जी एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री ओम जी भारद्वाज एवं श्री अजय जी चौधरी की अनुशंसा पर प्रदेश अध्यक्ष श्री संदीप सुरी जी द्वारा श्री आदर्श जी भारद्वाज को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया साथ ही उनका स्वागत उज्जैन फ्रूट मंडी में वरिष्ठजन एवं युवा साथियो द्वारा भव्य स्वागत किया गया इस अवसर पर प्रदेश सचिव श्री संतोष जी बनेटिया, श्री आनंद जी बागोरिया, जिलाध्यक्ष श्री रवि जी यादव, शहर अध्यक्ष श्री शिवप्रकाश मेहर जी, यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष श्री अभिषेक भारद्वाज, यूथ विंग जिलाध्यक्ष श्री ओजस गुप्ता जी, शहर उपाध्यक्ष श्री बसंत जी लोदवाल, श्री दिलीप जी टटावत, श्री अंकित विशु यादव जी, श्री अनिकेत जी भारद्वाज, श्री पकंज चौहान, श्री लवेश परमार, श्री अर्जुन बारोड, श्री कुणाल मिमरोट, श्री तन्जिब अहमद, श्री लक्की गहलोत, श्री शुभम गहलोत आदि ने स्वागत किया एवं आभार यूथ विंग सचिव श्री शिवम जाटवा ने किया. ।इस कार्यक्रम की जानकारी यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष श्री अभिषेक भारद्वाज द्वारा दी गई ।

### एसडीएम कृतिका भीमावद के नेतृत्व में दस्तक अभियान एवं वीएचएनडी सत्र का निरीक्षण

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** एसडीएम कृतिका भीमावद के नेतृत्व में विकासखंड उज्जैन ग्रामीण में दस्तक अभियान एवं वीएचएनडी सत्र के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों का संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चंदेसरा, नरवर आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-4, लेकोडा, मुंडला सुलेमान, हरसोदन, ताजपुर आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-5 एवं ब्यावरा का भ्रमण कर दस्तक अभियान एवं वीएचएनडी सत्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। विकासखंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन सिंह पंवार, बीपीएम, सेक्टर सुपरवाइजर एवं आईसीडीएस सुपरवाइजर द्वारा हरसोदन, ब्यावरा एवं ताजपुर में अभियान एवं स्वास्थ्य सत्र का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

# होटल की चौथी मंजिल से गिरे मजदूर, रात में मौत

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** निर्माणाधीन होटल की चौथी मंजिल से गिरकर घायल हुए मजदूर को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था जिसकी रात में मौत हो गई। बुधवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है मामले की जांच के बाद ठेकेदार के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जा सकता है।

नीलगंगा थाना पुलिस ने बताया कि चरक अस्पताल से सूचना मिली कि विक्रमगढ़ आलोट स्थित ग्राम भुजाखेड़ी के रहने वाले रामा पिता नारायण बागरी 28 साल को ऊंचाई से गिरने पर घायल होने के बाद उपचार के लिए भर्ती कराया गया था जिसकी रात में मौत हो गई है। अस्पताल की सूचना पर मामले में मर्ग कायम किया गया। प्रारंभिक जांच में जानकारी मिली कि मृतक रामा इंदौर रोड स्थित निजी अस्पताल के पास ताज नाम से बन रही होटल पर मजदूरी का काम करने कुछ दिनों पहले आया था। मंगलवार शाम को होटल की चौथी मंजिल से गिर गया था। पुलिस के अनुसार फिलहाल मामले में मर्ग कायम किया गया है परिवार के आने पर पोस्टमार्टम कराया गया। घटनास्थल पर काम करने वाले मजदूरों के बयान दर्ज किए जाएंगे। होटल निर्माण कर रहे ठेकेदार की लापरवाही सामने आने पर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा।

शराबी ने उपरी मंजिल पर लगाई फांसी- नलिया बाखल में रहने वाले सोनू पिता कैलाश प्रजापति 43 साल ने मंगलवार शाम घर की ऊपरी मंजिल पर फांसी लगा ली। घटना के समय परिवार के लोग अमावस्या की पूजा करने गए थे। सूचना मिलने पर महाकाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फंदे पर लटके युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया। बुधवार सुबह परिजनों ने बताया कि सोनू शराब पीने का आदी था दो दिन पहले उसने पत्नी और दो बच्चों से विवाद कर उन्हें घर से निकाल दिया था। पत्नी बच्चों को लेकर मायके महाराष्ट्र चली गई थी। पुलिस के अनुसार संभवत नशे में उसने आत्मघाती कदम उठाया है। जांच के बाद फांसी लगाने का कारण सामने आ पाएगा।

# उज्जैन में 592 करोड़ का मेडिकल कॉलेज 53 प्रतिशत तैयार

## सिंहस्थ-2028 से पहले मिलेगा आधुनिक स्वास्थ्य संस्थान- 100 एमबीबीएस सीटों के साथ 550 बिस्तरों का अस्पताल बनेगा ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट पर हो रहा निर्माण

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** शहर में 592 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रोजेक्ट से जुड़े एमपी बीडीसी के अधिकारी निशांत पचौरी के अनुसार कॉलेज भवन का करीब 53 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है, जबकि शेष कार्य भी तेज गति से जारी है। सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को प्राथमिकता से पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि यह मेडिकल कॉलेज 14.97 एकड़ भूमि पर ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट के तहत तैयार किया जा रहा है। कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटों पर प्रवेश की सुविधा होगी। इसके साथ ही यहां 550 बिस्तरों वाला अत्याधुनिक अस्पताल भी बनाया जा रहा है, जिससे उज्जैन सहित आसपास के जिलों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी।

कॉलेज परिसर में चार आधुनिक लेक्चर थिएटर, दो परीक्षा हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, कौशल प्रशिक्षण केंद्र और आधुनिक प्रयोगशालाएं विकसित की जाएंगी। वहीं 380 नर्सिंग छात्रों के लिए छात्रावास, जिम और मनोरंजन क्षेत्र जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी।

अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं, फार्मेसी, सीटी स्कैन, एमआरआई, एक्स-रे, सुपर स्पेशलिटी ओपीडी, 70 बिस्तरों वाला आईसीयू और सीसीयू, तथा 11 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर की व्यवस्था होगी। इसके अलावा परमाणु चिकित्सा विभाग, रेडियोथेरेपी बंकर और ब्रैकीथेरेपी जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी। परियोजना को पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा रहा है। भवन में सौर ऊर्जा, एलईडी लाइटिंग, वर्षा जल संग्रहण, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा अपशिष्ट जल के पुन÷ उपयोग जैसी ऊर्जा दक्ष तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इससे मेडिकल कॉलेज आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी उदाहरण बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा इस परियोजना का भूमिपूजन किया जा चुका है। मेडिकल कॉलेज के शुरू होने के बाद उज्जैन को चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में बड़ी सौगात मिलेगी तथा क्षेत्र के मरीजों को इलाज के लिए दूसरे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

# भगवान श्री मंगलनाथ मंदिर में भौम अमावस्या पर शासकीय पूजन की रसीदों से 4.82 लाख रुपये की आय प्राप्त

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** श्री मंगलनाथ मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक श्री के.के. पाठक ने बताया कि शिप्रा तट स्थित भगवान श्री मंगलनाथ जी के मंदिर में देश-विदेश से श्रद्धालुओं का सतत आगमन हो रहा है।

गत 14 जुलाई को भौम अमावस्या पर प्रातः 7÷00 बजे की आरती के बाद दोपहर 3÷30 बजे तक निर्धारित समयावधि में भात पूजन एवं अन्य पूजनों के लिए यजमानों की निरंतर भीड़ लगी रही। इस माह मंगलवार के साथ भौम अमावस्या का संयोग होने के कारण भूमि प्राप्ति, धन प्राप्ति, शीघ्र विवाह, यश प्राप्ति, मंगल दोष निवारण एवं समस्त रोग निवारण जैसी कामनाओं को लेकर श्रद्धालुओं/यजमानों की विशेष भीड़ देखने को मिली।

मंदिर के विद्वान पंडितगणों एवं आचार्यगणों द्वारा सभी पूजनों को पूर्ण विधान के साथ संपन्न कराया गया। इन पूजनों की कंप्यूटरीकृत एवं मैन्युअल शासकीय रसीदें मंदिर समिति के कर्मचारियों द्वारा जारी की गईं।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह के सक्षम नेतृत्व एवं एडीएम/अध्यक्ष तथा तहसीलदार/सचिव, मंगलनाथ मंदिर प्रबंध समिति के कुशल मार्गदर्शन में 14 जुलाई 2026 को 2300 शासकीय रसीदें काटी गईं, जिनसे रुपए 4,82,500/- (चार लाख बयासी हजार पांच सौ मात्र) की आय प्राप्त हुई। यह मंदिर समिति की अब तक की रिकॉर्ड आय है।

प्रशासक श्री के.के. पाठक ने बताया कि मंदिर में आने वाले दिव्यांग एवं असहाय श्रद्धालुओं को कर्मचारियों द्वारा पूर्ण निष्ठा के साथ व्हीलचेयर सहायता प्रदान कर भगवान श्री मंगलनाथ जी के सुलभ दर्शन कराए गए। उन्होंने यह भी बताया कि मंदिर के शिखर निर्माण का कार्य उज्जैन विकास प्राधिकरण के माध्यम से तेज गति से चल रहा है।

# जनसुनवाई में जमीन विवाद और अतिक्रमण के मामलों की भरमार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** प्रशासनिक संकुल भवन में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में जिले से 181 आवेदकों ने अपनी समस्याएं प्रशासन के सामने रखीं। सबसे अधिक शिकायतें जमीन विवाद, नामांतरण, बंटवारा और अतिक्रमण से जुड़ी रहीं। सीईओ जिला पंचायत ने आवेदनों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को तय समय-सीमा में कार्रवाई कर शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुमठ की जनसुनवाई में बड़नगर की संगीता ने शिकायत की कि ग्राम झितरखेड़ी स्थित उनकी पैतृक कृषि भूमि का परिवार के कुछ लोगों ने कथित रूप से छलपूर्वक बंटवारा कर फर्जी तरीके से अपने नाम नामांतरण करा लिया है। उन्होंने इस नामांतरण को निरस्त करने की मांग की। मामले की जांच और कार्रवाई के लिए एसडीएम घट्टिया को निर्देश दिए गए।

इसी तरह बड़नगर निवासी गजेंद्र यादव ने बताया कि ग्राम भेसलाकला में उनकी कृषि भूमि के बंटवारे का आवेदन लंबे समय पहले दिया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इस पर तहसीलदार बड़नगर को जांच कर शीघ्र बंटवारा प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए।

माकड़ौन के देवीलाल ने शिकायत की कि उनकी कृषि भूमि तक जाने वाले मुख्य रास्ते पर गांव के कुछ लोगों ने अवैध अतिक्रमण कर मार्ग बंद कर दिया है। इससे खेती-किसानी और आवागमन प्रभावित हो रहा है तथा फसल को भी नुकसान पहुंचा है। मामले की जांच कर उचित कार्रवाई के लिए तहसीलदार माकड़ौन को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में एडीएम अत्येंद्र सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर शाश्वत शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी लोगों की शिकायतें सुनकर संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

# गजकेसरी योग में शुरू हुए गुप्त नवरात्र, देवी मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था

## गढ़कालिका, बगलामुखी और हरसिद्धि माता मंदिरों में विशेष अनुष्ठान शुरू- नौ दिनों तक साधना, उपासना और गुप्त विद्याओं की आराधना होगी

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा से बुधवार से गुप्त नवरात्र का शुभारंभ हो गया। इस बार गुप्त नवरात्र का आरंभ करीब 12 साल बाद बने दुर्लभ गजकेसरी योग और शुभ पुष्य नक्षत्र के संयोग में होने से इसका धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। नौ दिनों तक शहर के प्रमुख शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में विशेष पूजन, अनुष्ठान, जप, हवन और साधना का दौर चलेगा।

गुप्त नवरात्र की शुरुआत के साथ ही गढ़कालिका माता मंदिर, हरसिद्धि माता मंदिर, बगलामुखी माता मंदिर, भूखी माता मंदिर सहित शहर के अन्य देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ रही। शुभ मुहूर्त में श्रद्धालुओं ने कलश स्थापना कर माता की आराधना शुरू की। मंदिरों को आकर्षक फूलों और विद्युत सज्जा से सजाया गया है। प्रतिदिन विशेष श्रृंगार, आरती और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार चंद्रमा और गुरु की युति से बना गजकेसरी योग गुप्त नवरात्र को विशेष फलदायी बना रहा है। सामान्यतः गुरु का एक राशि में आगमन लगभग 12 वर्ष में होता है, इसलिए यह संयोग अत्यंत दुर्लभ माना जा रहा है। इस दौरान साधना, उपासना, मंत्र सिद्धि और गुप्त विद्याओं से जुड़े अनुष्ठानों का विशेष महत्व बताया गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार आषाढ़ और माघ माह में आने वाले गुप्त नवरात्र तंत्र साधना, शक्ति उपासना और विशेष सिद्धियों की प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यही कारण है कि इन नौ दिनों में साधक और श्रद्धालु विशेष नियमों का पालन करते हुए माता की आराधना करते हैं।

कई शुभ योगों का भी मिलेगा लाभ- ज्योतिषाचार्यों के अनुसार गुप्त नवरात्र के दौरान कई शुभ योग भी बन रहे हैं। इन योगों में नए कार्यों की शुरुआत, बैंकिंग, तकनीकी, शिक्षा, व्यवसाय और कार्यालय संबंधी कार्यों के लिए समय शुभ माना गया है। श्रद्धालुओं का मानना है कि इन शुभ संयोगों में की गई माता की उपासना से विशेष पुण्य और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

साल में आते हैं दो गुप्त और दो प्रकट नवरात्र- धार्मिक ग्रंथों के अनुसार वर्ष में कुल चार नवरात्र मनाए जाते हैं। इनमें आषाढ़ और माघ माह के नवरात्र गुप्त नवरात्र, जबकि चैत्र और आश्विन माह के नवरात्र प्रकट नवरात्र कहलाते हैं। गुप्त नवरात्र विशेष रूप से साधना, शक्ति आराधना और गूढ़ विद्याओं के अभ्यास के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इन नौ दिनों तक देवी मंदिरों में धार्मिक आयोजनों और श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहेगी।

# निर्माणाधीन मंछामन मल्टी में बदमाशों ने किया पथराव

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** निर्माणाधीन मंछामन मल्टी में बुधवार दोपहर कुछ बदमाशों द्वारा ठेकेदार से शराब के रुपए मांगे गए नहीं देने पर बदमाशों ने पथराव कर दिया। दो मजदूर घायल हुआ है और ठेकेदार की गाड़ी के शीशे फूट गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू की है।

जयपुर के रहने वाले नंदकिशोर बर्मन ने प्रधानमंत्री आवास योजना में बन रही मंछामन मल्टी का ठेका लिया है। मल्टी का निर्माण अंतिम चरण में है। कुछ दिनों से यहां बदमाशों द्वारा मजदूरों के साथ अभद्रता की जा रही थी। बुधवार दोपहर को एकता नगर में रहने वाला बदमाश कुलदीप बड़े अपने कुछ साथियों के साथ मल्टी पर पहुंचा और ठेकेदार नंदकिशोर से शराब पीने के रुपए मांगने लगा। उसका कहना था कि यहां ठेकेदारी करना है तो शराब के रुपए देना होंगे। ठेकेदार ने मना किया तो बदमाशों ने पथराव शुरू कर दिया। पत्थरबाजी में मजदूर मेहरबान और इरशाद घायल हो गए। यही नहीं सहा ठेकेदार शकीरा पटेल की चार पहिया गाड़ी के शीशे भी फूट गए। हंगामा बढ़ता देख मल्टी में काम करने वाले सभी मजदूर एकत्रित हुए तो बदमाश ठेकेदार को धमकी देकर भाग निकले। मामले की जानकारी लगने पर पुलिस पहुंची, ठेकेदार की शिकायत पर एकता नगर निवासी बदमाश कुलदीप बड़े और उसके साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की। बदमाशों के घर पर पुलिस दबिश दे रही थी सभी फरार थे पुलिस परिजनों से पूछताछ कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में लगी है।

# छात्रवृत्ति एवं पोषण योजनाओं के लंबित प्रकरणों पर मैराथन बैठक

**उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।** उज्जैन, 15 जुलाई । जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कुमट के अध्यक्षता में बुधवार को जिला पंचायत के सभा कक्ष में हितग्राही मूलक योजनाओं, छात्रवृत्ति तथा प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर दो घंटे तक मैराथन बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उच्च शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, आईटीआई, स्कूल शिक्षा विभाग एवं सर्व शिक्षा अभियान के अधिकारियों के साथ छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों पर विस्तृत वन-टू-वन चर्चा की गई।

सीईओ श्री श्रेयांस कुमट ने आधार अपडेशन, एनपीसीआई इनएक्टिव तथा ओटीआर के प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के स्पष्ट निर्देश देते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को इन मामलों को प्राथमिकता से निपटाने को कहा। उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान इंजीनियरिंग कॉलेज एवं अन्य महाविद्यालयों के प्राचार्यों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की गई। सीईओ ने अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग को आगामी बैठक में समस्त कॉलेजों के प्राचार्यों को अनिवार्य रूप से उपस्थित कराने के निर्देश दिए।

स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान अनुपस्थित संकुल प्राचार्यों – शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विजया राजे एवं सराफा – के विरुद्ध कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए गए। प्रधानमंत्री पोषण आहार योजना के अंतर्गत निरीक्षण न करने पर बीआरसीसी को कठोर निर्देश देते हुए सीईओ ने 15 दिनों के अंदर सभी स्कूलों का निरीक्षण, रसोइयों का सत्यापन तथा बर्तन क्रय की राशि के उपयोगिता प्रमाण-पत्र सहित समस्त कार्य पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए।

# उज्जैन में आज निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

## पहली बार तीन अलग-अलग रथों पर होंगे भगवान के दर्शन

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।**धर्मनगरी उज्जैन में आज गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली जाएगी। इस्कॉन मंदिर द्वारा आयोजित इस रथयात्रा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस वर्ष पहली बार भगवान जगन्नाथ, उनके बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा तीन अलग-अलग पारंपरिक रथों पर विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे।

श्रद्धालुओं को भगवान के दर्शन होंगे और वे स्वयं रथ की रस्सियां खींचकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।-भगवान के लिए इस बार करीब ढाई लाख रुपए की लागत से विशेष शाही पोशाक तैयार कराई गई है। इस्कॉन मंदिर के पीआरओ राघव पंडित दास प्रभु ने बताया कि पोशाक तैयार करने के लिए पश्चिम बंगाल से 10 कुशल कारीगरों को बुलाया गया था।

पिछले दो महीनों से कारीगरों ने रेशमी वस्त्रों पर बारीकी से जरी, विशेष धागों, जापान से मंगवाए गए मोतियों और डायमंड का उपयोग कर आकर्षक शाही परिधान तैयार किए हैं। पोशाकों पर धार्मिक प्रतीकों की सुंदर कढ़ाई और कलात्मक सजावट भी की गई है, जिससे भगवान का स्वरूप और अधिक मनोहारी दिखाई देगा।

आयोजकों के अनुसार भगवान जगन्नाथ का नंदीघोष रथ सबसे विशाल और आकर्षण का केंद्र रहेगा। रथों को पारंपरिक शैली में सजाया गया है और श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ रस्सियां खींचते हुए रथयात्रा में शामिल होंगे। यात्रा मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर भगवान का स्वागत, पुष्पवर्षा और भजन-कीर्तन का आयोजन भी किया जाएगा।

इस बार बदला गया यात्रा का मार्ग...- राघव पंडित दास प्रभु ने बताया कि हर वर्ष बुधवारिया क्षेत्र से निकलने वाली रथयात्रा इस बार नए मार्ग से निकलेगी। यात्रा का शुभारंभ आगर रोड स्थित मंडी चौराहे से किया जाएगा।

अधिक से अधिक श्रद्धालुओं की सहभागिता और बेहतर व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए यात्रा के मार्ग और स्वरूप में बदलाव किया गया है।रथयात्रा को लेकर भक्तों में खासा उत्साह है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए आयोजन समिति ने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। गुरुवार को धर्मनगरी भगवान जगन्नाथ के जयघोष, भजन-कीर्तन और भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहेगी।

# नाबालिग के वीडियो वायरल करने वाला गिरफ्तार

**उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।** नाबालिग को ब्लैकमेल कर उसके फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी नाबालिग को पहले से पहचानता था। इसी का फायदा उठाकर उसने मोबाइल से वीडियो बना लिए थे।

माकड़ोन थाना क्षेत्र में रहने वाले हुसैन पिता शाकीर अली निवासी ग्राम केसवाल की कुछ महीनो पहले सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर नाबालिग से पहचान हुई थी। उसने नाबालिग को अपनी बातों में फंसा लिया और सोशल मीडिया के माध्यम से ही उसके फोटो वीडियो प्राप्त कर लिया। जिन्हें एडिट कर अश्लील बनाकर नाबालिग को भेज और मिलने का दबाव बनाने लगा। नाबालिग के मिलने से इनकार करने पर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। नाबालिग ने पुलिस को शिकायत करने की बात कही तो उसने फोटो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिये। नाबालिग की शिकायत पर पुलिस ने पास्को अधिनियम का प्रकरण दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू की, 2 दिन बाद आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गया। जिसे न्यायालय में पेशकर जेल भेजा गया।